ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष- अमावस्या, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 340 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
15 जून 2026 सोमवार

आज का मौसम
35.4 अधिकतम
20.8 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

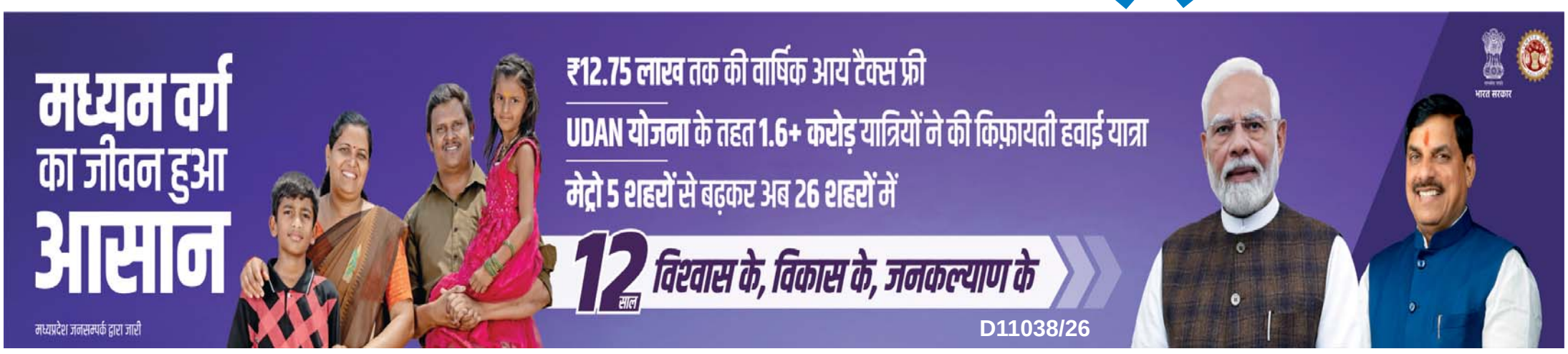

ट्रम्प बोले - दुनिया के जहाजों होर्मुज के लिए अपने इंजन चालू कर लो...

जंग थमेगी, तेल बहेगा! अमेरिका-ईरान डील पर राजी

» होर्मुज फिर खुलेगा दुनिया को मिली राहत

» 19 जून को जेनेवा में हो सकते हैं डील पर दस्तखत

» 80 डॉलर पर आया क्रूड सेंसेक्स 1200 अंक चढ़ा

ईरान का दावा - भविष्य में कोई युद्ध नहीं छेड़ने की गारंटी देगा अमेरिका

तेहरान/वॉशिंगटन. एजेंसी

दुनिया को महीनों से डराने वाले अमेरिका-ईरान सैन्य टकराव पर अब विराम की उम्मीद जगी है। दोनों देश युद्ध खत्म करने और तनाव कम करने के लिए एक शांति समझौते पर सहमत हो गए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ऐलान किया कि ईरान के साथ समझौता अंतिम रूप ले चुका है। वहीं ईरान ने भी पुष्टि की कि लंबी और कठिन बातचीत के बाद दोनों देशों ने एक डील का मसौदा तैयार कर लिया है।

यह समझौता ऐसे समय में सामने आया है जब खाड़ी क्षेत्र में सैन्य तनाव ने पूरी दुनिया की ऊर्जा सुरक्षा को खतरे में डाल दिया था। सबसे बड़ा असर होर्मुज जलडमरूमध्य पर पड़ा था, जहां से दुनिया के बड़े हिस्से का कच्चा तेल गुजरता है। समझौते के बाद इसके दोबारा खुलने की उम्मीद बढ़ गई है। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, दुनिया के जहाजों, अपने इंजन चालू कर लो। तेल को

बहने दो। उन्होंने संकेत दिया कि ईरानी बंदरगाहों पर लगी अमेरिकी नौसैनिक पाबंदियां हटाई जाएंगी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने दावा किया कि दोनों देश 19 जून को स्विट्जरलैंड के जेनेवा में इस समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे। अगर यह बैठक होती है तो करीब 47 साल बाद अमेरिका और ईरान के बीच इतनी बड़ी उच्चस्तरीय बातचीत होगी। हालांकि समझौते का पूरा दस्तावेज अभी सार्वजनिक नहीं हुआ है। शुरुआती जानकारी के अनुसार इसमें युद्ध और सैन्य कार्रवाई रोकने, होर्मुज स्ट्रेट खोलने, प्रतिबंधों पर आगे बातचीत और ईरान के कुछ फ्रीज्ड फंड जारी करने जैसे मुद्दे शामिल हैं। ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने कहा कि समझौते के बाद अगले 60 दिनों में दोनों देशों के बीच आगे की बातचीत होगी। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया अमेरिका के कुछ शुरुआती कदम उठाने पर निर्भर करेगी। ईरान की ओर से तीन प्रमुख मांगें रखी गई हैं– नौसैनिक नाकेबंदी खत्म करना, सैन्य कार्रवाई रोकना और आर्थिक संसाधनों पर लगी रोक हटाना।

इस समझौते का असर केवल अमेरिका और ईरान तक सीमित नहीं रहेगा। खाड़ी देशों की सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार और वैश्विक कूटनीति पर इसका सीधा प्रभाव पड़ेगा। लंबे समय से तनाव में चल रहे क्षेत्र में स्थिरता आने की उम्मीद की जा रही है। हालांकि विशेषज्ञों के मुताबिक असली परीक्षा समझौते के पालन की होगी। अमेरिका और ईरान के बीच पिछले कई दशकों में अविश्वास गहरा रहा है। इसलिए अगले 60 दिन दोनों देशों के रिश्तों की दिशा तय कर सकते हैं।

भारत के लिए डील के मायने

- तेल आयात की कीमतों का सीधा असर पड़ेगा
- ईरान के साथ व्यापार और चाबहार परियोजना को नई गति मिल सकती है
- पश्चिम एशिया में भारतीय हितों की सुरक्षा आसान हो सकती है
- अमेरिका-ईरान रिश्तों में सुधार से नई कूटनीतिक संभावनाएं खुल सकती हैं

समझौते की संभावित शर्तें

- » तेल और पट्रोकेमिकल निर्यात पर प्रतिबंधों में राहत
- » ईरान को अपन वित्तीय संसाधनों तक पहुंचे
- » फ्रीज किए गए 24 अरब डॉलर जारी होंगे
- » पुनर्निर्माण के लिए 300 अरब डॉलर की योजनाएं
- » लेबनान समत सभी मोर्चों पर युद्ध विराम
- » अमेरिका ईरान की संप्रभुता का सम्मान करेगा
- » अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी हटेगी
- » क्षेत्र से अमेरिकी सैनिकों की वापसी
- » होर्मुज जलडमरूमध्य फिर खोला जाएगा
- » परमाणु और प्रतिबंधों पर 60 दिन की वार्ता
- » ईरान परमाणु हथियार न बनाने की प्रतिबद्धता दोहराएगा
- » वार्ता के दौरान नई पाबंदियां नहीं लगेंगी
- » निगरानी तंत्र बनेगा, अंतिम समझौते को UNSC मंजूरी देगा
- » मिसाइल कार्यक्रम और रसिस्टंस ग्रुप्स पर चर्चा नहीं होगी

न्यूज विंडो

रूस का यूक्रेन पर हमला मठ में लगी आग, 9 की जान गई

कीव। पिछले तीन वर्षों से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध ने एक बार फिर भयानक रूप ले लिया है। यूक्रेन की राजधानी कीव समेत कई जगहों पर रूस ने भीषण हवाई हमला किया। इस एयरस्ट्राइक में 5 बचावकर्मियों सहित कुल 9 लोगों की मौत हो गई। रूस द्वारा किए गए इस हमले में नेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल कीव का ऐतिहासिक और आध्यात्मिक प्रतीक (मठ) सीधे हमले की चपेट में आ गया, जिससे वहां भीषण आग लग गई।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे में हादसा, बच्चे सहित 2 की मौत

नईदिल्ली। कोटा जिले के ग्रामीण क्षेत्र में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर मेहंदी माइनर के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। अनियंत्रित होकर एक कार एक्सप्रेसवे से नीचे गिर गई। हादसे में एक बच्चे और 70 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई। कार में कुल 5 लोग सवार थे, जिनमें तीन पुरुष, एक महिला और एक बच्चा शामिल था। हादसे में बच्चे के सिर में गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, एक 70 वर्षीय बुजुर्ग की हालत गंभीर बनी हुई थी, बाद में उन्होंने भी दम तोड़ दिया। एक महिला गंभीर रूप से घायल है।

बारहवीं कक्षा की टॉपर चांदनी से मिले सीएम, स्मृति चिन्ह दिया

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज यहां भीमनगर में विकसित भारत संकल्प अभियान में शामिल हुए। उन्होंने लाभार्थियों से सीधा संवाद कर सरकारी योजनाओं का फीडबैक लिया। इसी दौरान वे बारहवीं कक्षा में टॉप करने वाली छात्रा चांदनी विश्वकर्मा और उनके परिवार से भी मिले। उन्होंने चांदनी को स्मृति चिन्ह भी भेंट किया।

स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में गूगल सीईओ सुंदर पिचाई का विरोध

कैलिफोर्निया. एजेंसी

स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के ग्रेजुएशन समारोह के दौरान गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई मंच पर आए तो लगभग 200 छात्रों ने विरोध प्रदर्शन किया और हूटिंग की। जैसे ही पिचाई का परिचय कराया गया छात्र अपनी सीटों से उठ खड़े हुए। उन्होंने फलस्तीनी झंडे लहराए, सीटियां बजाईं और विरोध में नारे लगाए। कई छात्र फलस्तीनियों के समर्थन में पारंपरिक स्कार्फ 'केफिया' पहने हुए भी दिखे।

प्रदेश में तबादलों की अंतिम तारीख आज, कई विभाग अब भी तैयारी में जुटे

भोपाल. दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में तबादलों के लिए निर्धारित अवधि का आज अंतिम दिन है, लेकिन कई विभागों में स्थानांतरण की प्रक्रिया अब भी पूरी नहीं हो सकी है। ऐसे में शासन स्तर पर तबादलों की समय-सीमा को एक सप्ताह तक बढ़ाने पर विचार किए जाने की चर्चा है। यदि ऐसा होता है तो लंबित प्रस्तावों को अंतिम रूप देने के लिए विभागों को अतिरिक्त समय मिल सकेगा। मानसून से पहले प्रशासनिक व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने तबादलों पर लगी रोक में शिथिलता देते हुए 15 जून तक स्थानांतरण की अनुमति प्रदान की थी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विभागों को निर्धारित समयावधि में प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश भी दिए थे। जिला स्तर पर तबादलों के अधिकार प्रभारी मंत्रियों को सौंपे गए थे, जबकि प्रथम श्रेणी अधिकारियों के स्थानांतरण के लिए मुख्यमंत्री समन्वय के माध्यम से अनुमोदन अनिवार्य किया गया था। इसके बावजूद कई विभाग अंतिम तिथि तक तबादला आदेश जारी नहीं कर पाए हैं। स्कूल शिक्षा विभाग में अभी तैयारियां जारी हैं, जबकि राजस्व विभाग ने हाल ही में पटवारियों के लिए स्थानांतरण नीति जारी की है। नई व्यवस्था के तहत किसी भी पटवारी को उसकी गृह तहसील में पदस्थ नहीं किया जाएगा।

भारतीय राजनीति का सबसे दिलचस्प दौर

टूटते-बिगड़ते पुराने समीकरण और आकार लेते नए गठजोड़

भारतीय राजनीति इस समय ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहाँ पुराने राजनीतिक समीकरण तेजी से टूट रहे हैं और नए गठजोड़ आकार ले रहे हैं। विडंबना देखिए कि जिन क्षेत्रीय दलों ने कभी कांग्रेस की जड़ों को कमजोर करने में कोई कसर नहीं छोड़ी, वही आज कांग्रेस को विपक्ष का धुरी दल बताकर उसके इर्द-गिर्द लामबंद होने की कोशिश कर रहे हैं। दूसरी ओर, कांग्रेस के भीतर भी ऐसा संघर्ष चल रहा है जिसने पार्टी की दिशा और नेतृत्व दोनों पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं।

प्रसंगवश

राजेश सिरोठिया

राहुल गांधी को केंद्र में रखकर विपक्षी एकता की जो इमारत खड़ी करने की कोशिश हो रही है, उसकी बुनियाद कितनी मजबूत है, यह सवाल अब कांग्रेस के भीतर भी उठने लगा है। दुष्यंत कुमार की पंक्तियाँ ऐसे समय में याद आती हैं–

आँधियों में कुछ इस तरह बदहवास हुए लोग,
जो पेड़ खोखले थे उन्हीं से लिपट गए।

कांग्रेस के भीतर नेतृत्व को लेकर उठते सवाल नए नहीं हैं। पहला प्रसंग प्रियंका गांधी की उस प्रभावशाली भूमिका से जुड़ा है जिसे पार्टी के अंदर कई नेता अनौपचारिक रूप से उनकी 'वीटो पावर' के रूप में देखते रहे हैं। टिकट वितरण से लेकर संगठनात्मक नियुक्तियों तक अनेक अवसरों पर अंतिम निर्णय से पहले उनकी राय को निर्णायक माना गया। प्रश्न यह है कि यदि पार्टी के भीतर उनकी स्वीकार्यता और राजनीतिक संवाद क्षमता इतनी व्यापक है तो उन्हें राष्ट्रीय नेतृत्व के केंद्र में लाने से परहेज़ क्यों किया जाता है? दूसरा प्रसंग राहुल गांधी की राजनीतिक रणनीतियों से जुड़ा है। पिछले कुछ वर्षों में कांग्रेस ने कई ऐसे निर्णय लिए जिनका अपेक्षित राजनीतिक लाभ नहीं मिला। विपक्षी एकता की कोशिशों के बावजूद अनेक राज्यों में पार्टी का संगठन और अधिक कमजोर हुआ। जिन राज्यों में कांग्रेस को अपनी ताकत बढ़ानी थी, वहां वह सहयोगी दलों और स्थानीय नेतृत्व के बीच संतुलन बनाने में संघर्ष करती दिखाई दी। तीसरा प्रसंग उन मुद्दों का है जिन्हें कांग्रेस ने राष्ट्रीय विमर्श का केंद्र बनाने की कोशिश की, लेकिन जिन पर जनता की प्राथमिकताएँ अलग रहीं। बेरोजगारी, महँगाई और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों पर विपक्ष की आवाज़ प्रभावी हो सकती थी, लेकिन कई बार संदेश और रणनीति के बीच ऐसा अंतर दिखाई दिया जिससे राजनीतिक लाभ नहीं मिल सका। यही वह बिंदु है जहाँ कांग्रेस की तथाकथित रणनीतिक टोली भी सवालों के घेरे में आती है। पार्टी से जुड़े कई वरिष्ठ वकील, बुद्धिजीवी और सलाहकार सार्वजनिक विमर्श में संविधान की रक्षा के सबसे बड़े प्रहरी के रूप में सामने आते हैं। इनमें से अनेक देश की सर्वोच्च अदालत में एक पेशी के लिए लाखों रुपये की फीस लेने वाले प्रतिष्ठित अधिवक्ता हैं। लेकिन विडंबना यह है कि संविधान की व्याख्या और राजनीतिक विमर्श के बीच कई बार ऐसा अंतर दिखाई देता है जिससे आम कार्यकर्ता तक भ्रमित हो जाता है। सवाल उनकी पेशेवर योग्यता का नहीं, बल्कि राजनीतिक सलाह की उपयोगिता का है।

लोकतंत्र में राय बदलना अपराध नहीं है। यदि कोई नेता समय और परिस्थितियों के अनुसार अपना राजनीतिक दृष्टिकोण बदलता है तो उसे केवल अवसरवाद कहकर खारिज नहीं किया जा सकता। यही कारण है कि कांग्रेस के भीतर भी ऐसे नेताओं की संख्या बढ़ रही है जो मानते हैं कि केवल विरोध की राजनीति से आगे बढ़कर बदलते भारत की आकांक्षाओं को समझना होगा। आज का सबसे बड़ा संकट भाजपा की ताकत नहीं, बल्कि विपक्ष की दिशा है। लोकतंत्र में मजबूत सत्ता उतनी चिंता का विषय नहीं होती जितना कि कमजोर और भ्रमित विपक्ष। जब विपक्ष वैचारिक स्पष्टता खो देता है तो सत्ता की जवाबदेही भी कमजोर पड़ जाती है।

बदल रहा राजनीति का चरित्र : भारत की राजनीति इसलिए दिलचस्प दौर में है क्योंकि यहाँ केवल सरकार नहीं बदल रही, राजनीति का चरित्र बदल रहा है। आने वाले वर्षों में यह तय होगा कि कांग्रेस अपने नेतृत्व, संगठन और विचारधारा के प्रश्नों का उत्तर खोज पाती है या नहीं। यदि नहीं, तो विपक्ष की राजनीति का केंद्र किसी नए नेतृत्व और नए राजनीतिक विमर्श की ओर स्थानांतरित होना लगभग तय है। आज का विपक्ष सत्ता प्राप्ति के लिए संघर्ष कर रहा है या राष्ट्र के लिए वैकल्पिक दृष्टि प्रस्तुत कर रहा है? लोकतंत्र में किसी प्रधानमंत्री या विपक्षी नेता से डरना या न डरना उतना महत्वपूर्ण नहीं है, जितना यह कि नागरिक, पत्रकार और विपक्ष बिना भय और बिना पक्षपात के अपने प्रश्न पूछ सकें। वही किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था की वास्तविक मजबूती की कसौटी है।

आज का कार्टून

बारिश से पहले ही जर्जर हुआ द्वारका नगर अंडरब्रिज, हादसे का खतरा बढ़ा

भोपाल। राजधानी के द्वारका नगर स्थित छोला केंची अंडरब्रिज की हालत लगातार खराब होती जा रही है। मानसून की दस्तक से पहले ही अंडरब्रिज के कई हिस्सों में जर्जरता साफ दिखाई दे रही है, लेकिन संबंधित विभाग और प्रशासन इस गंभीर समस्या की ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते मरम्मत कार्य नहीं कराया गया तो बारिश के दौरान यहां बड़ा हादसा हो सकता है। अंडरब्रिज की दीवारों और छत से जगह-जगह प्लास्टर उखड़ रहा है। कई स्थानों पर दरारें दिखाई दे रही हैं, जबकि सड़क भी खराब हो चुकी है। बारिश शुरू होने के बाद स्थिति और गंभीर होने की आशंका है। अंडरब्रिज में जलभराव की समस्या पहले से ही बनी रहती है, ऐसे में जर्जर संरचना लोगों की सुरक्षा के लिए खतरा बन सकती है। यह मार्ग छोला क्षेत्र, द्वारका नगर और आसपास की कॉलोनियों को जोड़ने वाला प्रमुख रास्ता है, जहां से प्रतिदिन हजारों वाहन और पैदल यात्री गुजरते हैं। स्थानीय रहवासियों का आरोप है कि कई बार शिकायतों के बावजूद न तो निरीक्षण किया गया और न ही मरम्मत के लिए कोई ठोस कदम उठाया गया। नागरिकों का कहना है कि प्रशासन केवल बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है।

प्रदेश में एक लाख एआई बेस्ड कैमरे लगाकर अलग-अलग काम में करें उपयोग

डीजीपी मकवाणा बोले, सीसीटीवी कैमरे दिखावा बनकर न रहें, एक्टिव रखे जाएं

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

दो दिवसीय आईजी, एडीडी कांफ्रेंस के समापन मौके पर डीजीपी कैलाश मकवाणा मौजूद रहे। डीजीपी कैलाश मकवाणा ने कहा है कि जिलों में लगाए गए सीसीटीवी दिखावटी बन कर न रहें, उनको चालू रखा जाए और अपराध नियंत्रण में उपयोग किया जाए। एआई बेस्ड एक लाख कैमरे प्रदेश भर में लगाए जाकर उनका उपयोग अलग-अलग प्रबंधन में किया जाए। इसके साथ ही पुलिस अमले के स्वास्थ्य, सुरक्षा को लेकर भी अधिकारी गंभीरता से काम करें। विभागीय जांच और कोर्ट के मामलों के निराकरण में हीला हवाली करने के बजाय इसे तेजी से निपटाया जाए ताकि समय पर लाभ मिल सके।

डीजीपी मकवाणा ने ये बातें पुलिस मुख्यालय में हुई जोनल अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, पुलिस महानिरीक्षक तथा विशेष सशस्त्र बल (विसबल) जोन की दो दिवसीय समीक्षा बैठक के समापन बैठक कार्यक्रम में कहीं। पुलिस महानिदेशक मकवाणा ने इस मौके पर प्रदेश में बेहतर पुलिसिंग, प्रशासनिक दक्षता एवं जवाबदेही तय करने को लेकर कहा कि जिन अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उच्च पद का कार्यवाहक प्रभार प्रदान किया जाना है, उनके प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण कर दायित्व सौंपे जाएं, जिससे प्रशासनिक कार्यों में गति आए और कर्मचारियों का मनोबल बढ़े।

डीजीपी मकवाणा ने सभी इकाइयों को लंबित न्यायालयीन प्रकरणों की नियमित एवं प्रभावी समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय एवं अन्य न्यायालयों में लंबित प्रकरणों, अवमानना याचिकाओं, सेवा संबंधी मामलों, रिट याचिकाओं तथा स्थगन आदेशों की स्थिति की ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से सतत निगरानी की जाए तथा समय-सीमा में जवाब दावा एवं आवश्यक अभिमत पेश कर प्रकरणों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

विभागीय जांच जल्द पूरी करें

डीजीपी ने पुलिस विभाग में ई-ऑफिस प्रणाली के शत-प्रतिशत उपयोग पर विशेष बल देते हुए निर्देशित किया कि सभी कार्यालयीन कार्यों को अधिकतम रूप से डिजिटल माध्यम से संचालित किया जाए। स्थानांतरित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से भारमुक्त किए जाने की प्रक्रिया भी समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाए। डीजीपी ने विभागीय जांच प्रकरणों के शीघ्र निराकरण, उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पुरस्कृत करने तथा उनके नाम विभिन्न राज्य एवं राष्ट्रीय पुरस्कारों, विशेषकर के.एफ. रुस्तमजी पुरस्कार के लिए प्रस्तावित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अच्छे कार्यों को पहचान और सम्मान मिलना आवश्यक है।

नगर निगम में एआई से होगा बड़ा बदलाव

शहर के लोगों को एक ही छत के नीचे मिलेगा उत्पादन से बाजार तक का मंच

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी भोपाल में महिला स्व-सहायता समूहों और उद्यमियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए नगर निगम बड़ी योजना पर काम कर रहा है। इसके तहत महिलाओं के लिए एक विशेष बिजनेस हब और कॉमन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी) विकसित किया जाएगा, जहां उत्पादन से लेकर पैकेजिंग, ब्रांडिंग, भंडारण और विपणन तक की सभी सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगी।

महिला स्व-सहायता समूहों को मिलेगा बड़ा मंच-नगर निगम की इस प्रस्तावित योजना का उद्देश्य छोटे स्तर पर काम कर रही महिलाओं को बड़ा बाजार उपलब्ध कराना है। अधिकारियों के अनुसार, इससे महिला समूहों के उत्पादों की गुणवत्ता बेहतर होगी और उन्हें डिजिटल व पारंपरिक बाजारों तक सीधी पहुंच मिलेगी। साथ ही महिलाओं की आय बढ़ाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

नगर निगम के कामकाज में एआई का प्रवेश

नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने बताया कि शहर के प्रशासनिक ढांचे को आधुनिक बनाने के लिए नगर निगम अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डिजिटल तकनीकों का उपयोग बढ़ाने जा रहा है। सफाई व्यवस्था की निगरानी, शिकायतों के त्वरित समाधान, संसाधनों के बेहतर प्रबंधन और वार्ड स्तर पर कार्यों की मॉनिटरिंग जैसे क्षेत्रों में एआई को शामिल किया जाएगा।

नागरिक सेवाएं होंगी अधिक पारदर्शी और तेज

सूर्यवंशी ने बताया कि एआई आधारित प्रणाली से नगर निगम की सेवाएं अधिक प्रभावी, पारदर्शी और तेज होंगी। जनप्रतिनिधियों को भी नई तकनीक अपनाने और डिजिटल सिस्टम को समझने की सलाह दी गई है, ताकि जनता को बेहतर सेवाएं मिल सकें।

पूज्य सिंधी पंचायत चुनाव में 23 उम्मीदवारों ने जमा किए नामांकन

दो पैनल के बीच होगा मुकाबला, 17 तक नाम वापसी, 21 को मतदान

संतनगर दोपहर मेट्रो।

पूज्य सिंधी पंचायत, संतनगर के 21 जून को होने वाले त्रिवार्षिक चुनाव के लिए 23 उम्मीदवारों ने नामांकन जमा किए हैं, 15 जून 2026 को प्रातः 11:00 बजे प्रत्याशियों की सूची सूचना पटल पर चस्पा की जाएगी। 17 जून को प्रातः 12:00 बजे तक वापस लिए जा सकेंगे।

चुनाव अधिकारी बसंत चेलानी ने बताया कि अध्यक्ष पद के लिए माधु चांदवानी एवं राजकुमार मनवानी ने नामांकन जमा किया है। उपाध्यक्ष पद के लिए ओमप्रकाश साबूमल रीझवानी, गुलाब जेठानी, जगदीश आसवानी, भरत आसवानी, कमलेश देवानी, सचिव पद के लिए प्रकाश वीधानी, जगदीश खेराजानी, जेठानंद मंगतानी, हरीश मेहरचंदानी, सह-सचिव पद के लिए रूपचंद सोनी, कैलाश आसवानी, माधवदास पारदासानी, किशोर साधवानी, कोषाध्यक्ष पद के लिए राकेश शेवानी, गुरुदास रामचंदानी, सह-कोषाध्यक्ष पद के लिए रवि नारायण सतानी, अमित राजानी, अडिटर पद के लिए पुरूषोत्तम हरचंदानी, राजेष पेसवानी ने फार्म जमा किया।

कुकिंग प्रतियोगिता, सम्मान समारोह की तारीखें तय, जिम्मेदारियां तय की गई

सिंधी मेला समिति की बैठक में कार्यक्रमों की रूपरेखा तय

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

सिन्धी मेला समिति के आगामी आयोजनों की तैयारियों को लेकर समिति की विशेष बैठक रविवार को हुई, जिसमें समिति सदस्यों के मार्गदर्शन के लिए समिति के संरक्षक एवं विधायक भगवानदास सबनानी विशेष रूप से शामिल हुए।

बैठक में समिति के अध्यक्ष मनीष दरयानी ने कहा कि समिति के आयोजनों को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने के लिए सदैव की तरह आपकी ऊर्जा, अनुभव और समर्पण की आवश्यकता रहती है, दरयानी ने बताया कि आगामी 10, 11 एवं 12 जुलाई को संभागीय कुकिंग प्रतियोगिता एवं 26 जुलाई को पुरस्कार वितरण समारोह एवं 9 अगस्त को प्रांतीय प्रतिभा सम्मान कार्यक्रमों की रूपरेखा, जिम्मेदारियों के बंटवारे और जनभागीदारी पर विस्तार से चर्चा की गई ताकि आयोजन को व्यवस्थित और सफल बनाया जा सके। इस बैठक में विशेष रूप से के.एल.दलवानी, नरेश तलरेजा, महेश बजाज, राम आसुदानी, बंटी गोगिया, सुनील मँगवानी, सीमा सबनानी, सरला दलवानी, शकुन देवराख्यानी, किरण वधवानी, बंटी गोगिया, भावना जगवानी, दीपांशी सबनानी सहित सकड़ो की संख्या में मेला समिति के सदस्य एवं बड़ी संख्या में महिलाए मौजूद रही।

जल संरक्षण अभियान की सबसे बड़ी ताकत है जन भागीदारी

संतनगर, दोपहर मेट्रो।

जल संरक्षण और पर्यावरण संवर्धन के संकल्प के साथ रविवार को जल गंगा संवर्धन मिशन के 14वें दिन जनजागरण अभियान आयोजित किया गया।

प्रकृति और जल स्रोतों के संरक्षण के प्रति समाज को जागरूक करने के उद्देश्य से बड़ी संख्या में नागरिकों ने सहभागिता कर अपने दायित्व का परिचय दिया।

इस अवसर पर सिन्धी मेला समिति के मुख्य संरक्षक एवं विधायक भगवानदास सबनानी, महापौर मालती राय, भोपाल नगर निगम डॉ. प्रिया भावे चित्तावार एवं सिन्धी मेला समिति के अध्यक्ष मनीष दरयाना सहित अन्य साथीगण उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने जल संरक्षण, स्वच्छता एवं पर्यावरण सुरक्षा के महत्व पर अपने विचार साझा किए और जनभागीदारी को इस अभियान की सबसे बड़ी शक्ति बताया। यह अभियान नर्मदा मिशन परिवार, एचआर हेल्थ डॉ. क्षमा धोडापकर फ़ाउंडेशन, सिंधी मेला समिति ने आयोजित किया था।

मेट्रो एंकर — रुद्राक्ष किंगस्टन, बावड़िया कला में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा का दूसरा दिन

भवसागर को पार करने के लिए बड़े त्याग की जरूरत होती है

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

बिना त्याग के सुख की प्राप्ति नहीं हो सकती है। भवसागर को पार करने के लिए बड़े त्याग की जरूरत होती है। हमें नदी पार करने के लिए भी अपने महंगे सूट और जूते उतारने पड़ते हैं। जब आप भक्ति के मार्ग पर जाते हो तो संसार आपको रोकता है। यहां सभी आपके अच्छे समय में ही चाहने वाले हैं, बुरे समय में कोई साथ नहीं देता।

कथावाचक व धर्माचार्य देवकीनंदन ठाकुर जी महाराज ने ये उद्गार बावड़िया कला के रुद्राक्ष किंगस्टन परिसर में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में व्यक्त किए। कथा के दूसरे दिन की कथा में मध्य प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, मुरैना-शिवपुरी के सांसद शिवमंगल सिंह, पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। आयोजक और यजमान शालिग्राम डेवलपर्स के सीएमडी देवेंद्र चौकसे, संगीता चौकसे, वीरेंद्र चौकसे, अनीता चौकसे और समस्त शालिग्राम परिवार ने श्रीमद भागवत की आरती की।

'धर्म के ज्ञान का अभाव ही हिंदुओं के परिवार टूटने की बड़ी वजह है। शिक्षा संस्थानों में हमें पैसा कमाने की शिक्षा तो दी जाती है, पर कोई भी विश्वविद्यालय हमें परिवार चलाने की शिक्षा नहीं देता। जब हमारे बच्चों को धर्म का ज्ञान हो जाएगा तो परिवार टूटने से बच जाएंगे।'

विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि व्यक्ति कारक तब होता है जब प्रभु उसे बनाते हैं। उन्होंने कहा कि मन, वचन, कर्म और श्रद्धा के साथ कथा का श्रवण किया जाए तो इसका कोई तोड़ नहीं है। कथा सुनकर परमात्मा रूपी आत्मा पर जमी धूल को साफ किया जा सकता है। देवकीनंदन ठाकुर महाराज 15 जून की कथा में अपराह्न 3:30 बजे से भरत चरित्र, नृसिंह और वामन अवतार की कथा सुनाएंगे। इससे पूर्व दोपहर 2:30 बजे से कृष्ण पक्ष की अमावस्या पर शालिग्राम और तुलसी का पूजन-अर्चन होगा।

किशोर-किशोरियां का स्वास्थ्य परीक्षण

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा आयोजित 'सृजन बालिका सुरक्षा महासम्मेलन' में बच्चों और किशोरों की सुरक्षा के साथ स्वास्थ्य, शिक्षा और कौशल विकास पर भी विशेष जोर दिया गया। महासम्मेलन में आरकेडीएफ मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय के लगभग 30 विशेषज्ञ चिकित्सकों ने 300 से अधिक किशोर-किशोरियों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया। इस दौरान पोषण, मानसिक स्वास्थ्य, एनीमिया और व्यक्तिगत स्वच्छता से जुड़ी जानकारी एवं परामर्श दिया गया। चिकित्सकों ने युवाओं को संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में आईटीआई और कौशल विकास संस्थानों के विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को तकनीकी पाठ्यक्रमों, रोजगार और स्वरोजगार के अवसरों की जानकारी दी।

900 एमएसएमई इकाइयों को 360 करोड़ की सौगात, सीएम डॉ. यादव बोले-

औद्योगिक विकास में तेज दौड़ रहा मप्र, उद्यमियों को सौंपे जमीन के कागज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में उद्योग, निवेश और रोजगार को नई गति देने के उद्देश्य से आयोजित समृद्ध एमएसएमई-विकसित मध्यप्रदेश कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 900 एमएसएमई इकाइयों को 360 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि वितरित की। भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने सिंगल क्लिक के माध्यम से राशि हस्तांतरित की तथा उद्यमियों को भूमि आवंटन के लिए आशय पत्र भी प्रदान किए। इसके साथ ही स्टार्टअप नीति के अंतर्गत सहायता राशि और मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के लाभार्थियों को ऋण स्वीकृति पत्र भी सौंपे गए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व की प्रमुख आर्थिक शक्तियों में तेजी से उभर रहा है। देश लगातार विकास और नवाचार के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए मध्यप्रदेश सरकार ने वर्ष 2047 तक एक करोड़ पंजीकृत एमएसएमई इकाइयों का लक्ष्य निर्धारित किया है।

इससे प्रदेश में दो करोड़ से अधिक लोगों के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार युवा उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के लिए लगातार कार्य कर रही है। वर्तमान में प्रदेश की एमएसएमई इकाइयों के माध्यम से सवा करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार मिल रहा है। उन्होंने दावा किया कि मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास के क्षेत्र में देश के सबसे तेज़ी से आगे बढ़ने वाले राज्यों में शामिल हो चुका है। कृषि कल्याण वर्ष के तहत फूड प्रोसेसिंग उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए भी विशेष योजनाएं लागू की जा रही हैं।

5.26 लाख मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट्स संचालित

कार्यक्रम में प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन तथा एमएसएमई विभाग राघवेंद्र सिंह ने बताया कि प्रदेश में वर्तमान में 5.26 लाख मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट्स संचालित हैं, जिनमें 42,700 करोड़ रुपये का निवेश हुआ है। इन इकाइयों के माध्यम से लगभग 44 लाख लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिल रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले ढाई वर्षों में 6,136 उद्यमियों को 3,723 करोड़ रुपये की निवेश सहायता प्रदान की गई है, जो इससे पूर्व की अवधि की तुलना में लगभग तीन गुना अधिक है।

प्रदेश में 181 औद्योगिक क्षेत्र संचालित

राघवेंद्र सिंह ने कहा कि राज्य सरकार ने 31 मार्च 2026 तक के सभी लंबित देयकों का भुगतान कर दिया है। प्रदेश में वर्तमान में 181 औद्योगिक क्षेत्र संचालित हैं, जबकि 44 नए औद्योगिक क्षेत्र और क्लस्टर विकसित किए जा रहे हैं। पिछले एक वर्ष में 1,000 से अधिक औद्योगिक भूखंड उद्यमियों को आवंटित किए गए हैं। कार्यक्रम में लघु उद्योग भारती के प्रदेशाध्यक्ष राजेश मिश्रा ने मुख्यमंत्री की औद्योगिक विकास संबंधी दूरदृष्टि की सराहना करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश निवेशकों के लिए पसंदीदा गंतव्य बन रहा है। वहीं, विभिन्न उद्यमियों और स्टार्टअप संस्थापकों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि राज्य सरकार की उद्योग अनुकूल नीतियों और पारदर्शी व्यवस्था से उन्हें व्यवसाय विस्तार में बड़ी मदद मिली है। समृद्ध एमएसएमई-विकसित मध्यप्रदेश कार्यक्रम को प्रदेश में निवेश, उद्यमिता और रोजगार सृजन को नई दिशा देने वाला महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

एसोसिएशन ने सीएम से की अधिकारियों की बर्खास्तगी की मांग

प्रदेश में नियम विरुद्ध रजिस्टर हुईं 2400 से अधिक बसें, इंदौर और नीमच सबसे आगे

एसोसिएशन ने कहा- बस मालिक नहीं, अधिकारी हैं दोषी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में परिवहन अधिकारियों द्वारा बस बॉडी के टाइप अप्रूवल सर्टिफिकेट के बिना 2440 नई बसों के पंजीयन का मामला अब थमने का नाम नहीं ले रहा है। परिवहन आयुक्त उमेश जोगा के पत्र से यह साफ हो गया है कि 1 सितंबर 2025 से नियम लागू होने के बाद भी प्रदेश के 52 परिवहन कार्यालयों में नियमों ताक पर रखकर बसों का पंजीयन किया गया। इनमें 1487 यात्री बसें, 745 एजुकेशन इंस्टीट्यूशन बस, 141 स्कूल बस और 67 प्राइवेट सर्विस व्हीकल शामिल हैं।

मध्यप्रदेश बस ऑनर्स एसोसिएशन के महामंत्री जय कुमार जैन ने मुख्यमंत्री, परिवहन मंत्री, मुख्य सचिव, परिवहन सचिव एवं परिवहन आयुक्त को लिखे पत्र में साफ कहा है कि बस मालिकों को प्रचलित कानूनों की जानकारी नहीं होती, इसलिए वे अनजाने में नियमों का उल्लंघन कर बैठे। उनकी बसों का पंजीयन निरस्त करना उचित नहीं होगा। लेकिन परिवहन अधिकारी, जिनका काम ही नियमों की पालना सुनिश्चित करना है, उन्होंने जानबूझकर 1 सितंबर 2025 से लागू नियमों की अवहेलना की। संघ का आरोप है कि इन अधिकारियों ने बस डीलरों को अवांछित लाभ पहुंचाने के लिए यह कुकर्म किया, जो स्पष्ट रूप से पद के दुरुपयोग का मामला है।

भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत कार्रवाई की मांग

एसोसिएशन ने अपने पत्र में यह भी कहा है कि यह मामला केवल नियमों की अनदेखी का नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के दायरे में आने वाला है। संघ ने मांग की है कि सभी दोषी परिवहन अधिकारियों को तत्काल निलंबित करते हुए विधिवत बर्खास्तगी की कार्रवाई शुरू की जाए और उनके खिलाफ भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया जाए। गौरतलब है कि परिवहन आयुक्त उमेश जोगा ने पहले ही अपने पत्र में इन पंजीयनों को नियमविरुद्ध बताते हुए सभी जिला परिवहन अधिकारियों को 15 दिनों में रिपोर्ट देने और पंजीयन रद्द करने के निर्देश दिए थे, लेकिन अब बस संघ ने अधिकारियों के खिलाफ सीधी कार्रवाई की मांग कर मामले को और गर्म कर दिया है।

पहले क्या नियम था?

1 सितंबर 2025 से पहले, केंद्रीय मोटरयान नियम, 1989 के नियम 47(1)(1)(g) के तहत, बस चेसिस पर अलग से बॉडी बनाने वाले (बॉडी बिल्डर) को सेल्फ-डिक्लेरेशन देना होता था। इसे फॉर्म 22क कहा जाता था। इसी फॉर्म 22कके आधार पर बसों का पंजीयन हो जाता था, बिना किसी तीसरी पार्टी से प्रमाणन कराए। यानी बॉडी बिल्डर खुद ही प्रमाणित करता था कि बॉडी सही है।

अधिकारियों ने क्या किया?

सभी परिवहन अधिकारियों को नए नियमों की जानकारी थी। उनके पास किसी भी बस के लिए फॉर्म 53/153 (टाइप अप्रूवल सर्टिफिकेट) उपलब्ध नहीं था। इसके बावजूद, उन्होंने उसी पुराने और अब विलोपित फॉर्म 22कके आधार पर बसों का पंजीयन कर दिया। परिवहन आयुक्त के पत्र के अनुसार, 1 सितंबर 2025 से 5 जून 2026 के बीच 2440 नई बसें इसी तरह नियम विरुद्ध पंजीकृत हुईं।

एसोसिएशन ने वरिष्ठ अधिकारियों को सौंपा ज्ञापन

मध्य प्रदेश बस ऑनर्स एसोसिएशन के महामंत्री जय कुमार जैन ने परिवहन मंत्री, परिवहन सचिव और परिवहन आयुक्त से सीधे चर्चा की। उन्होंने तीनों वरिष्ठ अधिकारियों को एक-एक पत्र भी सौंपा। चर्चा के दौरान जय कुमार जैन ने स्पष्ट कहा- बस ऑपरेटर तो बस अपनी खरीदता है, बनाता है और आरटीओ में रजिस्ट्रेशन के लिए प्रस्तुत करता है। यदि नियम विरुद्ध निर्माण हुआ था तो गाड़ी का रजिस्ट्रेशन होना ही नहीं था। और यदि नियम विरुद्ध किसी गाड़ी का रजिस्ट्रेशन किया गया है तो इसमें रजिस्ट्रेशन अथॉरिटी यानी आरटीओ ही दोषी है। उन्होंने आगे कहा कि बस मालिकों पर कोई कार्रवाई न करते हुए उन आरटीओ या रजिस्ट्रेशन अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की जाए, जिन्होंने यह गलत किया है।

141 स्कूल बसें भी नियम विरुद्ध रजिस्टर्ड

परिवहन आयुक्त के पत्र के अनुसार, केवल यात्री बसें ही नहीं बल्कि 141 स्कूल बसें भी नियम विरुद्ध पंजीकृत हुई हैं। यह अत्यंत चिंताजनक है क्योंकि स्कूल बसों में बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होती है। बस ऑनर्स एसोसिएशन ने इन स्कूल बसों के मामले में भी यही रुख रखा है कि इसके लिए बस मालिक नहीं, बल्कि रजिस्ट्रेशन करने वाले आरटीओ अधिकारी दोषी हैं। इसमें सबसे अधिक भोपाल में 51 और इंदौर में 48 व बैतूल में 10 स्कूल बसें रजिस्टर्ड की गईं हैं।

शिक्षक तबादला नीति में बदलाव

स्वैच्छिक तबादले से शिक्षकों की वरिष्ठता पर असर, पदोन्नति की राह में हो सकती है मुश्किल

23 जून तक होगी ऑनलाइन च्वाइस फिलिंग

हाजिरी-जनगणना पाबंदी के नियम रहेंगे लागू

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में शिक्षकों के प्रशासनिक तबादलों के लिए आवेदन प्रक्रिया जारी है, जबकि स्वैच्छिक तबादलों के लिए 19 जून से आवेदन शुरू होंगे। इस बार स्वैच्छिक तबादला लेने वाले शिक्षकों के लिए नए नियम महत्वपूर्ण बदलाव लेकर आए हैं। इसमें सबसे बड़ा बदलाव ई-अटेंडेंस लगाने वाले शिक्षक ही स्वैच्छिक तबादला ले सकेंगे। इसके अलावा जनगणना वाले शिक्षक आवेदन नहीं कर सकेंगे। वहीं नियमों के अनुसार, जिला कैडर के सहायक शिक्षक यदि स्वेच्छा से दूसरे जिले में स्थानांतरण लेते हैं तो नई जगह उनकी वरिष्ठता समाप्त मानी जाएगी और उनका नाम संबंधित जिले की वरिष्ठता सूची में सबसे नीचे दर्ज किया जाएगा। इससे भविष्य में मिलने वाली पदोन्नतियों और अन्य सेवा लाभों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

इसके तहत माध्यमिक स्तर के शिक्षक यदि अपने वर्तमान संभाग से बाहर स्वैच्छिक तबादला लेते हैं तो उनकी वरिष्ठता भी नए संभाग में सबसे नीचे मानी जाएगी। हालांकि उच्च माध्यमिक विद्यालयों के व्याख्याताओं पर यह नियम लागू नहीं होगा, क्योंकि उनका कैडर राज्य स्तर का होता है। शिक्षा विभाग के अनुसार प्रदेश में शिक्षकों के तीन अलग-अलग कैडर हैं।प्राथमिक शिक्षकों का जिला स्तर, माध्यमिक शिक्षकों का संभाग स्तर और व्याख्याताओं का राज्य स्तर का कैडर निर्धारित है।

शिक्षक संगठनों ने उठाए नियमों पर सवाल

शिक्षक संगठनों ने संशोधित तबादला नीति में दो प्रमुख विसंगतियों की ओर ध्यान आकर्षित किया है। पहली शर्त ई-अटेंडेंस और दूसरी जनगणना कार्य से जुड़ा है। स्वैच्छिक तबादले के लिए शिक्षकों की 90 प्रतिशत ई-अटेंडेंस अनिवार्य कर दी गई है। यह शर्त अधिकांश शिक्षकों के लिए परेशानी का कारण बन सकती है। ई-अटेंडेंस व्यवस्था लागू होने के शुरुआती चरण में नेटवर्क और इंटरनेट कनेक्टिविटी जैसी तकनीकी समस्याएं सामने आई थीं। इसके अलावा जनवरी, फरवरी और मार्च 2025 के दौरान बड़ी संख्या में शिक्षकों की ड्यूटी 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में लगाई गई थी, जिससे वे नियमित रूप से ई-अटेंडेंस दर्ज नहीं कर सके। विभाग इन्हीं तीन महीनों के आंकड़ों के आधार पर 90 प्रतिशत उपस्थिति की गणना कर रहा है, जिसके कारण बड़ी संख्या में शिक्षक पात्रता की शर्त पूरी नहीं कर पा रहे हैं।

जनजातीय कार्य विभाग के जिम्मेदारों का कारनामा

दो साल पहले मृत प्राचार्य को उच्च पद का प्रभार देकर धार से ज्ञानोदय उज्जैन भेजा

उज्जैन, दोपहर मेट्रो

जनजातीय कार्य विभाग के अफसरों ने 2 साल पहले मृत हो चुके उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक को उच्च पद का प्रभार देते हुए उनका तबादला भी कर दिया। सूची घोषित होने के बाद भी विभाग को अपनी गलती दिखाई नहीं दी। दैनिक भास्कर ने पड़ताल की तो हकीकत सामने आई। दरअसल जनजातीय कार्य विभाग भोपाल ने उमावि के 36 प्राचार्य को प्राचार्य प्रथम श्रेणी उच्च पद का प्रभार दे दिया। 22 मई को जारी सूची में 19वें नंबर पर मोहनलाल वर्मा उ?मावि तारापुर जिला धार को उच्च पद प्रभार देते हुए प्राचार्य ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय लालपुर, उज्जैन तबादला कर दिया। जबकि उमावि तारापुर के प्राचार्य वर्मा का तो दो साल पहले 11 अप्रैल 2024 को ही एमवाय अस्पताल इंदौर में उपचार के दौरान निधन हो चुका है। शिक्षक के मरने के बाद धार जिला मुख्यालय से दी जाने वाली सारी सुविधाएं भी दे दी, लेकिन अवर सचिव जनजातीय कार्य विभाग मप्र शासन द्वारा जारी सूची में मृत शिक्षक का भी स्थानांतरण कर दिया गया है।

मानवीय भूल या जानबूझकर नाम शामिल किया?

विभाग के कुछ कर्मचारियों ने बताया कि उच्च स्तर पर बैठे अधिकारी जानबूझकर इस तरह की त्रुटि करते हैं, ताकि बाद में अपने खास के प्रभार वाले स्कूल में कोई अन्य प्राचार्य पदस्थ न हो सके। इधर, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग धार नरोत्तम बरकड़े ने कहा कि उमावि तारापुर के प्राचार्य मोहनलाल वर्मा का दो साल पहले निधन हो चुका है। उनके परिजन को दी जाने वाली सुविधाएं भी विभाग दे चुका है।

नगरीय निकाय चुनाव 2027 की तैयारी शुरू

महापौर-नपा अध्यक्ष पदों के आरक्षण के लिए अधिकारी नियुक्त

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में वर्ष 2027 में प्रस्तावित नगरीय निकाय चुनावों की तैयारियां अभी से शुरू हो गई हैं। चुनाव में लगभग डेढ़ वर्ष का समय शेष होने के बावजूद राज्य सरकार ने महापौर और नगरपालिका अध्यक्ष पदों के आरक्षण की प्रक्रिया को लेकर महत्वपूर्ण कदम उठाया है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास को आरक्षण संबंधी कार्रवाई के लिए अधिकृत अधिकारी नियुक्त किया है। विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार महापौर और नगरपालिका अध्यक्ष पदों का आरक्षण मध्यप्रदेश नगरपालिका (महापौर एवं अध्यक्ष पद आरक्षण) नियम, 1999 के प्रावधानों के तहत किया जाएगा। इसी के तहत आगामी नगरीय निकाय चुनावों के लिए आरक्षण प्रक्रिया का संचालन आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा किया जाएगा। इस संबंध में राज्य सरकार ने 12 जून को आदेश जारी कर दिए हैं। उधर, राज्य निर्वाचन आयोग भी आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए नगरीय निकायों की मतदाता सूची तैयार कराने की प्रक्रिया में जुट गया है। माना जा रहा है कि सरकार और निर्वाचन आयोग दोनों स्तरों पर चुनावी तैयारियों को व्यवस्थित रूप से आगे बढ़ाया जा रहा है।

आरक्षण की वर्तमान व्यवस्था

मौजूदा नियमों के अनुसार नगरीय निकायों में महिलाओं के लिए कुल पदों का 50 प्रतिशत आरक्षण निर्धारित है। अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग के लिए आरक्षण संबंधित क्षेत्र की जनसंख्या के अनुपात के आधार पर तय किया जाता है। वहीं अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान है। आरक्षण का निर्धारण रोटेशन प्रणाली के आधार पर किया जाता है, ताकि पिछली बार आरक्षित रही सीटों के स्थान पर अन्य निकायों को अवसर मिल सके। नगर निगमों में महापौर पदों के आरक्षण का फैसला लॉटरी प्रक्रिया के माध्यम से किया जाता है, जिसमें यह तय होता है कि कौन-सा नगर निगम किस वर्ग के लिए आरक्षित होगा। मध्यप्रदेश में नगर निगम और नगरपालिका चुनाव वर्ष 2014 में आयोजित हुए थे। इसके बाद 2019 में चुनाव प्रस्तावित थे, लेकिन राजनीतिक परिस्थितियों और बाद में कोविड-19 महामारी के कारण चुनाव समय पर नहीं हो सके। वर्ष 2022 में भी ओबीसी आरक्षण को लेकर मामला न्यायालय में विचाराधीन रहा, जिसके चलते चुनाव प्रक्रिया प्रभावित हुई।

नहीं कराने पर होगी कार्रवाई

निर्माण कार्य कराने वाले सभी संस्थानों के लिए अनिवार्य हुआ श्रमिक पंजीयन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल जिले में संचालित सभी निर्माण संस्थानों और निर्माण कार्य कराने वाले प्रतिष्ठानों के लिए श्रमिकों का पंजीयन कराना अनिवार्य कर दिया गया है। श्रम विभाग ने स्पष्ट किया है कि मध्य प्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार (नियोजन एवं सेवा शर्तों का विनियमन) अधिनियम, 1996 के तहत पंजीयन नहीं कराने वाले संस्थानों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

सहायक श्रम आयुक्त, भोपाल मंडल ने बताया कि निर्माण कार्यों में लगे श्रमिकों एवं निर्माण संस्थानों का पंजीयन श्रम सेवा पोर्टल पर स्वयं अथवा एमपी ऑनलाइन के माध्यम से कराया जा सकता है। इसके लिए ऑनलाइन सुविधा उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि पंजीयन के बाद निर्माण कार्य शुरू होने की जानकारी भी श्रम विभाग को देना आवश्यक है।

श्रम विभाग ने सभी एजेंसियों से की अपील

इससे संबंधित निर्माण कार्य का श्रम सेवा एप पर जियो-टैगिंग के माध्यम से पंजीयन किया जा सकेगा और कार्यों की प्रभावी निगरानी सुनिश्चित होगी। श्रम विभाग ने सभी निर्माण एजेंसियों, ठेकेदारों एवं संस्थानों से समय पर पंजीयन कराने और निर्धारित प्रक्रिया का पालन करने की अपील की है, ताकि किसी प्रकार की कार्रवाई से बचा जा सके।

मेट्रो एंकर

केन्द्र सरकार के ऐतिहासिक फैसले से किसानों की चमकेगी किस्मत

मप्र में अब पेट्रोल-डीजल नहीं, गन्ने की मिठास से दौड़ेंगी गाड़ियां

गन्ना उत्पादक बेल्ट के किसानों को फसल के मिलेंगे बेहतर दाम, बढ़ेगी आमदनी

स्वदेशी और सस्ते ग्रीन फ्यूल से विदेशों पर तेल की निर्भरता होगी पूरी तरह खत्म

भोपाल, दोपहर मेट्रो

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी द्वारा 100 प्रतिशत एथेनॉल ईंधन के उपयोग को कानूनी मंजूरी देने के बाद अब मध्य प्रदेश भी इस क्रांति में बड़ी भूमिका निभाने के लिए तैयार है। आने वाले समय में प्रदेश की सड़कों पर गाड़ियां पेट्रोल-डीजल से नहीं, बल्कि खेतों में लहलहाने वाले गन्ने के रस से बने एथेनॉल से दौड़ती नजर आएंगी। भारत सरकार के इस फैसले से मध्य प्रदेश के गन्ना उत्पादक किसानों के लिए समृद्धि के नए द्वार खुलने जा रहे हैं।

इन जिलों को होगा सीधा फायदा- एथेनॉल मुख्य रूप से गन्ने की फसल और चीनी उत्पादन के बाद बचे उप-उत्पाद (मोलासेस) से तैयार होने वाला एक प्रकार का अल्कोहल है। मध्य प्रदेश का एक बड़ा हिस्सा गन्ने की खेती के लिए जाना जाता है।

महाकौशल और निमाड़ क्षेत्रः नरसिंहपुर (प्रदेश का सबसे बड़ा गन्ना उत्पादक जिला), छिंदवाड़ा, बुरहानपुर, खंडवा और खरगोन जैसे जिलों में गन्ने की बंपर पैदावार होती है।

मालवा और चंबल क्षेत्रः उज्जैन, धार, और ग्वालियर-दतिया के बेल्ट में भी किसान बड़े पैमाने पर गन्ना उगाते हैं। अब तक किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए केवल चीनी मिलों या स्थानीय गुड़ और खांडसारी उद्योग पर निर्भर रहना पड़ता था, जहां अक्सर भुगतान में देरी और सही दाम न मिलने की समस्या होती थी। लेकिन एथेनॉल की मांग 100त होने से अब गन्ने की सीधी खपत एथेनॉल प्लांटों में होगी।

कच्चे तेल का आयात घटेगा, प्रदेश में पैदा होंगे रोजगार

मध्य प्रदेश में वर्तमान में कई चीनी मिलों के साथ डिस्टिलरी और एथेनॉल प्लांट जुड़े हुए हैं। गडकरी के इस फैसले के बाद राज्य में नए एथेनॉल मैन्युफैक्चरिंग प्लांटों में निवेश बढ़ेगा।

सस्ता और घरेलू ईंधनः चूंकि एथेनॉल पूरी तरह से स्वदेशी और घरेलू स्तर पर तैयार होता है, इसलिए इसे खाड़ी देशों से आयात करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। यह पेट्रोल के मुकाबले काफी सस्ता भी पड़ेगा।

प्रदूषण से मुक्तिः मध्य प्रदेश के इंदौर, भोपाल और जबलपुर जैसे बड़े शहरों में बढ़ते प्रदूषण को कम करने में यह ईंधन मील का पत्थर साबित होगा क्योंकि एथेनॉल से चलने वाले वाहनों से कार्बन उत्सर्जन बेहद कम होता है।

राजनीति में दुश्मनी स्थायी नहीं

राजनीति को कभी विचारों का युद्ध कहा गया था। यह वह क्षेत्र माना जाता था जहां मतभेद तीखे हो सकते हैं, लेकिन मनभेद स्थायी नहीं होते। विरोधी विचारधाराएं एकदूसरे से टकराती थीं, बहसें होती थीं, आरोप लगते थे, लेकिन लोकतंत्र की आत्मा संवाद और सम्मान के धागों से जुड़ी रहती थी। आज भी राजनीति वही है, लेकिन उसके तौर-तरीकों में आए बदलाव कई गंभीर प्रश्न खड़े कर रहे हैं। लोकतंत्र में प्रतिस्पर्धा स्वाभाविक है। सत्ता पाने की आकांक्षा भी अस्वाभाविक नहीं है। समस्या तब शुरू होती है जब राजनीतिक संघर्ष सिद्धांतों की लड़ाई से निकलकर व्यक्तिगत आक्षेपों और सामाजिक कटुता में बदलने लगता है। चुनावी मंचों से लेकर सोशल मीडिया तक, भाषा का स्तर लगातार बदलता दिखाई देता है। ऐसा लगता है मानो राजनीतिक विरोध अब विचारों का नहीं, बल्कि व्यक्तियों के अस्तित्व का संघर्ष बन गया हो। विडंबना यह है कि राजनीति का यह तीखापन अक्सर उतना स्थायी नहीं होता जितना दिखाई देता है। कल तक जो नेता एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगा रहे होते हैं, वे बदलते समीकरणों के साथ एक ही मंच साझा करते नजर आते हैं। चुनावी दुश्मनी गठबंधन में बदल जाती है, कटु आलोचनाएं सहयोग में परिवर्तित हो जाती हैं और वर्षों का विरोध कुछ बैठकों में समाप्त हो जाता है। यह लोकतंत्र की लचीलापन भी हो सकता है, लेकिन आम नागरिक के मन में यह सवाल भी छोड़ जाता है कि यदि समझौता इतना सहज था, तो संघर्ष कितना वास्तविक था? भारतीय राजनीति का इतिहास ऐसे अनेक प्रसंगों से भरा पड़ा है जहां वैचारिक विरोध के बावजूद व्यक्तिगत सम्मान कायम रहा। संसद के भीतर गरमागरम बहसें होती थीं, लेकिन बाहर वही नेता एक-दूसरे के सुख-दुख में सहभागी बनते थे। आज राजनीति में यह मानवीय स्पर्श कम होता दिखाई देता है। विरोध को शत्रुता और असहमति को अपराध की तरह प्रस्तुत करने की प्रवृत्ति बढ़ी है। सबसे बड़ी चिंता यह है कि राजनीतिक भाषा का प्रभाव केवल नेताओं तक सीमित नहीं रहता। समाज भी उसी भाषा और उसी व्यवहार को अपनाने लगता है। जब सार्वजनिक जीवन में कटुता सामान्य बन जाती है, तो सामाजिक संवाद भी प्रभावित होता है। राजनीति में गठबंधन बदल सकते हैं, दल बदल सकते हैं और समीकरण भी बदल सकते हैं। लेकिन यदि मर्यादा एक बार खो जाए, तो उसे वापस पाना आसान नहीं होता।

विदेशी धरती पर भारतीयों की हत्या, सिर्फ विरोध नहीं, निर्णायक कार्रवाई की जरूरत

डॉ. मयंक चतुर्वेदी
स्तंभकार

ब्रिटेन के लंदन स्थित साउथॉल क्षेत्र में 26 वर्षीय भारतीय मूल के युवक गुरभेज सिंह की चाकू मारकर हत्या ने एक बार फिर विदेशों में रह रहे भारतीयों की सुरक्षा को लेकर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। इस हमले के बाद ब्रिटिश पुलिस ने जांच शुरू कर दी है, कुछ लोगों को हिरासत में भी लिया गया, लेकिन अधिकांश को बाद में छोड़ दिया गया। यह स्थिति वास्तव में उस बढ़ती चिंता का हिस्सा है जिसमें विदेशों में भारतीय मूल के लोगों पर नस्लीय, सांप्रदायिक और हिंसक हमलों की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं।

पिछले कुछ वर्षों में कनाडा, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और अन्य देशों में भारतीयों के खिलाफ हिंसा और नस्लीय हमलों के अनेक मामले सामने आए हैं। इन घटनाओं का एक बड़ा हिस्सा ऐसा है जिसमें पीड़ितों को न्याय नहीं मिल पाया या फिर आरोपी आसानी से कानून के शिकंजे से बाहर निकल गए। इससे विदेशों में बसे भारतीय समुदाय के भीतर असुरक्षा की भावना और अधिक गहरी हुई है। भारतीय संसद में प्रस्तुत आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2018 से 2025 के बीच केवल कनाडा में 17 भारतीय छात्रों की हिंसक घटनाओं में मृत्यु हुई। संयुक्त राज्य अमेरिका में ऐसे नौ मामले दर्ज हुए। इसके अतिरिक्त ऑस्ट्रेलिया, किर्गिस्तान, ब्रिटेन, जर्मनी, चीन, डेनमार्क और ग्रेनाडा जैसे देशों में भी भारतीय नागरिक हिंसा का शिकार बने। वर्ष 2014 से 2025 के बीच विदेशों में भारतीयों पर नस्लीय हमलों के कुल 90 मामले दर्ज किए गए, जिनमें सर्वाधिक 40 मामले कनाडा से सामने आए। अमेरिका और जर्मनी भी इस सूची में प्रमुख स्थान रखते हैं। यदि व्यापक दृष्टि से देखा जाए तो स्थिति और भी गंभीर प्रतीत होती है। वर्ष 2021 से 2023 के बीच विदेशों में 28 हजार से अधिक भारतीयों की मृत्यु हुई, जिनमें 136 मौतें सीधे हिंसक घटनाओं से जुड़ी थीं। वर्ष 2023 में भारतीयों पर 86 हमले दर्ज किए गए, जबकि 2022 में यह संख्या 57 और 2021 में 29 थी। वर्ष 2025 के मध्य तक यह आंकड़ा 100 के पार पहुंच चुका था। यह वृद्धि देखा जाए तो एक ऐसे संकट का संकेत है जो भारतीय समुदाय की वैश्विक सुरक्षा से जुड़ा हुआ है। विदेशों में भारतीयों के साथ आज सिर्फ हिंसा ही नहीं हो रही, बल्कि श्रमिक शोषण की घटनाएं भी भयावह स्तर पर पहुंच चुकी हैं। विदेश मंत्रालय के अनुसार वर्ष 2021 से 2025 के बीच भारतीय दूतावासों और मिशनों को शोषण, दुर्व्यवहार और रोजगार संबंधी 80,985 शिकायतें प्राप्त हुईं। संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत, ओमान और सऊदी अरब से सबसे अधिक शिकायतें दर्ज की गईं। इन शिकायतों में वेतन न मिलना, पासपोर्ट जब्त कर लेना, अत्यधिक काम करवाना, ओवरटाइम का भुगतान न करना, छुट्टियां न देना, कंपनियों का अचानक बंद हो जाना और श्रमिकों को स्वदेश लौटने के लिए आवश्यक अनुमति तक न देना जैसी गंभीर समस्याएं शामिल हैं।

ब्रिटेन में ही कुछ समय पहले दो बुजुर्ग सिख टैक्सी चालकों सतनाम सिंह और जसबीर सांघा पर नस्लीय हमला हुआ था। हमलावरों ने उन्हें गालियां दीं, जमीन पर गिराया और मारपीट की। सतनाम सिंह की पगड़ी तक उतार दी गई, जिसे उन्होंने अपनी अस्मिता पर गहरा आघात बताया। इसी प्रकार ऑस्ट्रेलिया के जिलॉन्ग शहर में हरमनप्रीत सिंह को नस्लीय टिप्पणी का सामना करना पड़ा और बाद में उन पर शारीरिक हमला किया गया, जिससे उनकी नाक की हड्डी टूट गई। अमेरिका में भी भारतीयों के खिलाफ हिंसा के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। हैदराबाद के युवा छात्र अंशुल कुंचा की हत्या इसका एक दर्दनाक उदाहरण है। पढ़ाई का खर्च उठाने के लिए पिज्जा डिलीवरी का कार्य कर रहे अंशुल को कथित रूप से एक सुनियोजित साजिश के तहत सुनसान स्थान पर बुलाया गया और सिर में गोलियां मारकर हत्या कर दी गई। उनके परिवार का आरोप है कि यह सामान्य अपराध नहीं, बल्कि पूर्व नियोजित हमला था।

इन घटनाओं के बीच ओमान तट और होर्मुज जलडमरूमध्य क्षेत्र में हुए सैन्य तनाव में तीन भारतीय नाविकों की मृत्यु ने भी भारत की चिंता बढ़ा दी है। चाहे कारण अलग-अलग हों, लेकिन हर घटना में जान गंवाने वाला भारतीय नागरिक ही है। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि विश्व के विभिन्न देशों में भारतीयों की सुरक्षा को लेकर भारत की कूटनीतिक रणनीति कितनी प्रभावी है और उसे और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में क्या कदम उठाए जा रहे हैं? भारत आज विश्व की सबसे बड़ी आबादी वाला देश है। उसके नागरिक शिक्षा, व्यापार, तकनीक, चिकित्सा और श्रम के क्षेत्र में दुनिया के लगभग हर हिस्से में अपनी प्रतिभा का योगदान दे रहे हैं। विदेशों में रहने वाले करोड़ों भारतीय भारत की आर्थिक, सांस्कृतिक और वैश्विक शक्ति के महत्वपूर्ण प्रतिनिधि हैं। ऐसे में उनकी सुरक्षा राष्ट्रीय सम्मान और प्रतिष्ठा का भी प्रश्न है।

हालांकि यह सच है कि भारत सरकार और विदेश मंत्रालय समय-समय पर इन घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हैं, संबंधित देशों से संवाद करते हैं और पीड़ित परिवारों को सहायता उपलब्ध कराते हैं, किंतु अब परिस्थितियां औपचारिक विरोध या संवेदना प्रकट करने से आगे बढ़ चुकी हैं। आवश्यकता इस बात की है कि भारत उन देशों के साथ उच्चस्तरीय और परिणामोन्मुख वार्ता करे, जहां भारतीयों पर हमलों की घटनाएं बढ़ रही हैं। ऐसे मामलों की त्वरित जांच, दोषियों को कठोर दंड और पीड़ित परिवारों को न्याय सुनिश्चित करने के लिए ठोस तंत्र विकसित किया जाना चाहिए। भारत को अपने सभी प्रमुख द्विपक्षीय संबंधों में प्रवासी भारतीयों की सुरक्षा को एक महत्वपूर्ण एजेंडा बनाना होगा। भारतीय दूतावासों को और अधिक सक्रिय, सशक्त तथा जवाबदेह बनाया जाना चाहिए ताकि संकट की स्थिति में भारतीय नागरिकों को तुरंत सहायता मिल सके। साथ ही, नस्लीय घृणा और भारतीयों के विरुद्ध हिंसा के मामलों को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी प्रभावी ढंग से उठाने की आवश्यकता है।

जैसा कि सभी के सामने है-ओमान के तट और होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव के बीच हुए मिसाइल हमलों में 3 भारतीय नाविकों की मौत अमेरिकी बलों द्वारा वाणिज्यिक जहाजों पर की गई कार्रवाई के दौरान हुई। भारत ने अमेरिकी हमलों को लेकर कड़ा विरोध दर्ज कराया है। इस पर अमेरिका की बेशर्मी देखिए कि कह रहा है, वॉशिंगटन स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में लागू अमेरिकी नाकेबंदी के किसी भी उल्लंघन को बर्दाश्त नहीं करेगा। वह व्यवसायिक जहाजों तक को नहीं छोड़ रहा ! ऐसे में अब समय आ गया है कि भारत इस दिशा में और अधिक दृढ़, स्पष्ट तथा प्रभावशाली पहल करे, ताकि हर भारतीय की विदेशी धरती पर सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

आम लोगों के आशियाने का सपना और लगातार फैलता भूमाफिया का जंजाल

दीपक कुमार त्यागी
स्तंभकार

आम लोगों के सस्ते आशियाने की जरूरत को पूरा करने के लिए ताकतवर लोगों और सिस्टम में बैठे भ्रष्टाचारी लोगों व भूमाफियाओं के ताकतवर गठजोड़ की कृपा से अवैध फ्रीहोल्ड कॉलोनियों का जन्म आये दिन होता रहता है। इस गठजोड़ को बखूबी पता होता है कि अवैध फ्रीहोल्ड कॉलोनियां देश व प्रदेशों के नियम-कायदे व कानून को पूरी तरह से ठेंगा दिखाते हुए स्वयं सुनियोजित विकास में सबसे बड़ी बाधक बन रही है, लेकिन भ्रष्ट लोगों की कृपा से देश में पिछले तीन दशकों में लाखों की संख्या में अवैध कॉलोनियां कुकुरमुत्ते की तरह फल-फूल गयी हैं।

पिछले कुछ दशकों से तो आलम यह हो गया है कि सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट व एनजीटी आदि के समय-समय पर दिये गये सख्त आदेशों व दिशा-निर्देशों तक की अवहेलना करते हुए मोटी कमाई के लालच में बेहद ताकतवर लोगों का यह पूरा गठजोड़ देश में अवैध फ्रीहोल्ड कॉलोनियों को शहर-दर-शहर फलने-फूलने का पूरा अवसर प्रदान कर रहा है, जो स्थिति देश के सुनियोजित विकास के लिए बेहद चिंताजनक है। रही-सही कसर उस वक्त पूरी हो जाती है जब इन अवैध कॉलोनियों में मकान बनवाने के नाम पर व मकान बनने के बाद तोड़ने से बचाने के नाम पर अवैध उगाही करके भ्रष्टाचारियों के बीच धन की बंदरबांट होती है, बेचारे लुटे-पिटे गरीब पर जीवन भर ही दोहरी मार पड़ती रहती है, हर पल वह अपने सपने का आशियाना व जीवन भर की गाढ़ी कमाई छिनने के भय में जीवन यापन करता रहता है।

देश के सुनियोजित विकास में शहर-दर-शहर अवैध कॉलोनियां बहुत बड़ी बाधक बन गयी है। समय-समय पर सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट व एनजीटी तक भी पूरे देश में कुकुरमुत्ते की तरह फैली इन अवैध फ्रीहोल्ड कॉलोनियों पर चिंता जता चुका है। लेकिन फिर भी देश में लाखों की संख्या में अवैध कॉलोनियों का जाल बन चुका है, सरकार व सिस्टम की इन कॉलोनियों पर कार्रवाई के बाद भी स्थिति दिन-प्रतिदिन चिंताजनक होती जा रही है। जिसके चलते अब इन अवैध कॉलोनियों पर न्यायालयों को सख्त रुख अपनाना पड़ रहा है। एनजीटी के सख्त रुख के बाद ही गाजियाबाद में हिंडन नदी के रीवर फ्रंट (नदी के फाट) डूब क्षेत्र में बसी हुई इन अवैध कॉलोनियों पर गाजियाबाद प्रशासन ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के मूड में पूरी तरह से नज़र आ रहा है। जिलाधिकारी के सख्त कार्रवाई करने के आदेश के बाद अब डूब क्षेत्र में अपने सपनों का आशियाना बनाने वाले लोगों को अपने घरों की चिंता सताने लगी है। लोगों का तर्क है कि दशकों बाद अवैध कॉलोनियों पर बुलडोजर चलवाने के आदेश से मकान मालिकों की जीवन भर की गाढ़ी कमाई धूल में मिल जाने की आशंका है।

वैसे अवैध कॉलोनियों के जाल वाली इस स्थिति के लिए देश के अधिकांश प्रदेशों में जिस तरह वहां के विकास प्राधिकरण की आम लोगों को बिना लाभ-हानि के प्लाट व भवन मुहैया करवाने के अपने मूल उद्देश्य से भटक कर भारी लाभ कमाने के लिए स्वयं ही प्रोपर्टी डीलर बनकर सम्पत्ति को अधिक से अधिक महंगा करके बेचने के लिए डीलिंग की सोच काफी हद तक जिम्मेदार है। इस चिंताजनक स्थिति का लाभ पूरे देश में भूमाफिया जमकर उठा रहे हैं। आलम यह है कि भूमाफियाओं की नज़र शहर, कस्बे व गांवों तक में भी सरकारी जमीन, पट्टे की भूमि, कृषि भूमि, औद्योगिक भूमि, तालाब, चरवाहे, श्मशान, कब्रिस्तान, स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, रेलवे, आर्मी व नदी के फाट (रीवर फ्रंट) आदि तक की भूमि को बेचने पर लगी हुई है, भूमाफिया अपने ताकतवर गठजोड़ के दम पर आम लोगों को अवैध जमीन बेचने में व्यस्त हैं और उनको ऐसा करने देने से रोकने की जिम्मेदारी निभाने वाले सिस्टम में बैठे हुए कुछ लोग उनसे पैसे कमाने में मस्त हैं।

अवैध कॉलोनियों का मुद्दा केवल कानून और अतिक्रमण का प्रश्न नहीं है, बल्कि यह शासन-प्रशासन की जवाबदेही, भ्रष्टाचार और आम नागरिकों के आवासीय अधिकारों से भी जुड़ा है। यदि किसी भूमि पर अवैध प्लाटिंग हो रही है, तो उसे प्रारंभिक स्तर पर ही रोकना प्रशासन की जिम्मेदारी है। लिहाजा, उन भूमाफियाओं, भ्रष्ट अधिकारियों और प्रभावशाली लोगों के खिलाफ भी कठोर कार्रवाई होनी चाहिए जिन्होंने नियमों को ताक पर रखकर ऐसी कॉलोनियों को पनपने दिया। जब तक आम आदमी के लिए वैध और किफायती आवास के पर्याप्त विकल्प उपलब्ध नहीं होंगे, तब तक भूमाफियाओं का संजाल नए-नए रूपों में पनपता रहेगा। इसलिए जरूरत है कि आवास नीति का केंद्र आम नागरिक की आवश्यकता बने और व्यवस्था ऐसी हो कि किसी परिवार को अपने घर के सपने और कानूनी सुरक्षा के बीच चुनाव करने की मजबूरी न झेलनी पड़े।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट

गर्मियों में हर्निया के मरीज सूजन और दर्द की परेशानी से बचने के उपाय जरूर करें

मौसम का बढ़ता तापमान शरीर पर अतिरिक्त दबाव डाल सकता है। ज्यादा तापमान से पसीना, शरीर में पानी की कमी, थकान और डिहाइड्रेशन का जोखिम बढ़ जाता है। ऐसे में शरीर को अपना सामान्य तापमान बनाए रखने के लिए पहले की अपेक्षा अधिक मेहनत करनी पड़ती है, जिससे बेचैनी, कमजोरी और मांसपेशियों व टिश्यू पर दबाव बढ़ सकता है। गर्मी से रक्त वाहिकाएं भी फैल जाती हैं, जिसके परिणामस्वरूप शरीर के कुछ हिस्सों में सूजन और जलन महसूस हो सकती है।

डॉ. रत्नेश जेनवा सीनियर कंसल्टेंट, जनरल एंड लैपरोस्कोपिक सर्जरी, अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल बताते हैं कि जिन लोगों को पहले से कोई बीमारी है, गर्मियों में उनके लक्षण अक्सर और बिगड़ जाते हैं। गर्मी से मांसपेशियों में खिंचाव, पाचन संबंधी समस्याएं और पेट की बेचैनी बढ़ सकती है। ठीक इसी तरह जिन लोगों को हर्निया की समस्या है, उनको गर्मियों में शारीरिक तनाव और डिहाइड्रेशन के कारण दर्द और जलन महसूस हो सकती है। गर्मियों में ज्यादा पसीना आने से शरीर में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी हो जाती है। डिहाइड्रेशन से मांसपेशियां और टिश्यू कमजोर हो सकते हैं, जिसमें पेट की दीवार भी शामिल है। चूंकि हर्निया मांसपेशियों की परतों में कमजोरी के कारण होता है, इसलिए डिहाइड्रेशन से बेचैनी और दर्द बढ़ सकता है। गर्म मौसम में अक्सर पेट फूलना, कब्ज और पाचन संबंधी गड़बड़ियां हो जाती हैं। शौच के दौरान जोर लगाने से पेट पर दबाव बढ़ता है, जिससे हर्निया के लक्षण और बिगड़ सकते हैं और दर्द या सूजन बढ़ सकती है।

गर्मियों में बहुत से लोग यात्रा करते हैं, कसरत करते हैं या बाहर के कामों में लगे रहते हैं। भारी वजन उठाने, लंबे समय तक खड़े रहने या अचानक हिलने-डुलने से पेट की मांसपेशियों पर जोर पड़ सकता है और हर्निया का दर्द बढ़ सकता है।

गर्म मौसम में हर्निया के दर्द से बचाव के लिए खूब पानी पीएं। भारी चीजें उठाने से बचें, ढीले और हवादार सूती कपड़े पहनें, फाइबर से भरपूर खाना खाएं और कब्ज से बचें। लंबे समय तक खड़े रहने या शरीर पर ज्यादा जोर डालने से बचें। पेट फूलने से बचने के लिए थोड़ा-थोड़ा और हल्का खाना खाएं। गर्म मौसम सीधे तौर पर हर्निया का कारण नहीं बनता, लेकिन गर्मी के दौरान शरीर में होने वाले बदलाव जैसे डिहाइड्रेशन, कब्ज, मांसपेशियों की थकान और पेट के अंदर बढ़ा हुआ दबाव हर्निया से जुड़ी परेशानी को बढ़ा सकते हैं।

सुविचार

कड़वी सच्चाई बोल देने वाले लोग झूठा दिलासा देने वाले लोगों से लाख गुना अच्छे होते हैं। -अज्ञात

टेक्नो अपडेट

ग्लोबल पेटेंट रैंकिंग में टॉप-20 में JIO, ऐसा करने वाली अकेली भारतीय टेक कंपनी बनी

ग्लोबल पेटेंट रैंकिंग में जियो ने बड़ी छलांग लगाई है। वर्ल्ड इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी ऑर्गनाइजेशन यानी WIPO की ताजा पेटेंट कोऑपरेशन ट्रीटी PCT रैंकिंग में जियो प्लेटफॉर्म्स ग्लोबल टॉप-20 में पहुंच गई है। गौर करने वाली बात है कि जियो 320 पायदान चढ़कर 20वें स्थान पर पहुंची है। रिलायंस इंडस्ट्रीज की टेक्नोलॉजी इकाई जियो ग्लोबल रैंकिंग में जगह बनाने वाली अकेली भारतीय टेक इनोवेटर है। इस उपलब्धि के साथ ही कंपनी सैमसंग, क्वालकॉम, एलजी, पैनासोनिक, नोकिया, गूगल, एप्पल और माइक्रोसॉफ्ट जैसी बड़ी ग्लोबल टेक कंपनियों के समूह में शामिल हो गई है।

जियो अब सिर्फ एक टेलीकॉम कंपनी नहीं, बल्कि नई टेक्नोलॉजी बनाने वाली एक बड़ी टेक कंपनी बन चुकी है। इस समय जियो ऐसी एडवांस तकनीकों पर काम कर रही है, जो हमारे भविष्य को बदल सकता है। कंपनी ने नेक्स्ट जेनरेशन टेक्नोलॉजी के लिए पेटेंट फाइल किए हैं। इनमें 5G, आने वाला 6G, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), क्लाउड प्लेटफॉर्म और कंप्यूटर से चलने वाले ऑटोमेशन आदि शामिल है। इस बड़ी कामयाबी पर जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर आकाश एम. अंबानी ने कहा कि दुनिया की टॉप-20 पेटेंट रैंकिंग में जियो का आना हमारे लिए गर्व की बात है। यह हमारी कई सालों की कड़ी मेहनत का नतीजा है। जियो में लगातार नई और आधुनिक तकनीकों पर इनोवेशन किए जा रहे हैं और आने वाले समय में यह रफ्तार और ज्यादा बढ़ने वाली है। जियो की यह कामयाबी इसलिए भी बेहद खास है क्योंकि जब पूरी दुनिया में नई तकनीकों को पेटेंट कराने की रफ्तार 1 प्रतिशत से भी कम रही, उस दौर में जियो ने रैंकिंग में 320 पायदान की लंबी छलांग लगाई है। यह साबित करता है कि जियो की रिसर्च और डेवलपमेंट टीम ग्लोबल स्तर पर कितनी मजबूत है।

अगर आंकड़ों की बात करें, तो 31 मार्च 2026 तक जियो प्लेटफॉर्म्स ने कुल 6,817 पेटेंट फाइल किए हैं। कंपनी ने सिर्फ भारत में ही नहीं, बल्कि विदेशी बाजारों में भी अपना लोहा मनवाया है। कुल पेटेंट्स में से 2,393 भारत में और 4,424 विदेशों में फाइल किए गए हैं। इनमें से 1,009 पेटेंट को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मंजूरी भी मिल चुकी है, जिसमें 538 भारत के और 471 विदेशी बाजारों के शामिल हैं।

टेक्नोलॉजी सेक्टर के लिए टर्निंग पॉइंट: जियो ने साफ किया है कि उसकी यह कामयाबी सिर्फ कागजों पर नहीं है। कंपनी ने इन आधुनिक तकनीकों को न सिर्फ खुद विकसित किया है, बल्कि इनका बड़े पैमाने पर कमर्शियल इस्तेमाल भी शुरू कर दिया है। फिलहाल जियो 5G/6G रेडियो, सैटेलाइट कम्युनिकेशन और जियोब्रेन जैसे एडवांस एजेंटिक AI प्लेटफॉर्म पर काम कर रहा है। जियो की इस सफलता को भारत के पूरे टेक्नोलॉजी सेक्टर के लिए एक बड़े टर्निंग पॉइंट की तरह देखा जा रहा है। यह दिखाता है कि भारत अब दुनिया की बनाई तकनीकों का इस्तेमाल करने वाला देश नहीं रहा, बल्कि अब भारत खुद अपनी मूल तकनीकें तैयार कर रहा है और उन्हें पूरी दुनिया के बाजारों तक ले जा रहा है।

वायरल कंटेंट

यहां लगता है सांपों का अनोखा मेला, हर साल गुफाओं में जमा होकर करते हैं रोमांस!

अगर आप सोचते हैं कि सांप अकेले रहने वाले जीव हैं तो आपकी धारणा पूरी तरह गलत है। कनाडा के मनिटोबा प्रांत के ग्रामीण इलाके में हर साल वसंत ऋतु में सांपों का ऐसा भयानक मेला लगता है कि देखने वाले की रूह कांप जाती है। लाखों सांप एक साथ जमा होकर गुफाओं, गड्ढों और चट्टानों में रोमांस करते नजर आते हैं।

यह दुनिया के सबसे अनोखे वाइल्डलाइफ फेनोमेना में से एक है। मनिटोबा के नार्सिस इलाके में स्थित सांपों की ये प्रसिद्ध डेंस (गुफाएं) हर साल अप्रैल-मई में सक्रिय हो जाती हैं। यहां रेड-साइडेड गार्टर स्नेक की लाखों की भीड़ जमा होती है। पूरे साल ये सांप बिखरे रहते हैं, लेकिन प्रजनन के मौसम में वे अपने-अपने ठिकानों से निकलकर एक जगह इकट्ठा हो जाते हैं।

वैज्ञानिकों के अनुसार यह दुनिया का सबसे बड़ा सांपों का प्राकृतिक समागम माना जाता है। एक ही गड्ढे में हजारों सांप आपस में गांठें बनाकर मेटिंग करते दिखते हैं। नर सांप मादा सांप को घेर लेते हैं और एक-दूसरे से लिपटकर मिलन की कोशिश करते हैं। इस दौरान पूरा क्षेत्र सांपों से पट जाता है। पर्यटक दूर से ही इस नजारे को देखने आते हैं। स्थानीय प्रशासन ने इस जगह को पर्यटन स्थल बना दिया है। यहां व्यूइंग प्लेटफॉर्म बनाए गए हैं ताकि लोग सुरक्षित दूरी से सांपों को देख सकें। हर साल हजारों पर्यटक और वाइल्डलाइफ प्रेमी यहां पहुंचते हैं। कुछ लोग इसे 'सांपों का कुंभ मेला' भी कहते हैं। सांपों की इस प्रजाति में मादा सांप कम संख्या में होती हैं। इसलिए नर सांप मादा को पाने के लिए आपस में होड़ करते हैं। कभी-कभी एक मादा सांप से 100 से ज्यादा नर सांप मिलते देखे जाते हैं। यह दृश्य बेहद डरावना और आकर्षक दोनों होता है।

वसंत का नजारा: मनिटोबा का यह क्षेत्र सांपों के लिए आदर्श है क्योंकि यहां सर्दियों में गहरी गुफाएं उपलब्ध हैं जहां सांप हाइबरनेशन (सोहना) करते हैं। वसंत में जब तापमान बढ़ता है तो वे बाहर निकलते हैं, मेटिंग करते हैं और फिर अपने-अपने इलाकों में बिखर जाते हैं। सोशल मीडिया पर इसकी तस्वीरें और वीडियो वायरल होने के बाद लोग कमेंट्स में लिख रहे हैं– 'ये तो सांपों का स्वर्ग है', 'देखकर ही डर लग रहा है', 'प्रकृति कितनी अनोखी है। 'कुछ यूजर्स मजाक भी उड़ा रहे हैं कि 'सांपों को भी मेला लगाना आता है।' विशेषज्ञ बताते हैं कि गार्टर स्नेक जहरीले नहीं होते हैं। इनका काटना इंसानों के लिए खतरनाक नहीं है, लेकिन इतनी बड़ी संख्या देखकर किसी की भी हिम्मत जवाब दे सकती है।

निशाना

बचना नाग विषैला है..!

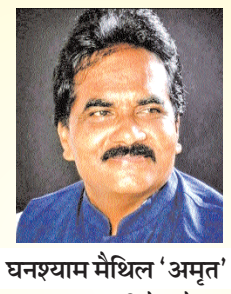

घनश्याम मैथिल 'अमृत'

बचना नाग विषैला है
गले में विष का थैला है।
घूमा करता साथ लिये
नफ़रत वाला थैला है।
जहां निकल यह जाता है
वहाँ पे कीचड़ फैला है।
शुचिता की उम्मीद नहीं
अंदर - बाहर मैला है।
बहुत सयाना अंदर से
बाहर लगता ग़ैला है।
पानी कैसे ठहरेगा
चिकना देखो चैला है।
माखन क्योंकर चाहेगा
आखिर यह गुबरैला है।

सोमवती अमावस्या: नर्मदा घाटों पर लाखों श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

ज्येष्ठ अधिकमास (पुरुषोत्तम मास) की सोमवती अमावस्या पर सोमवार को नर्मदा नदी के घाटों पर आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। अमावस्या, सूर्य संक्रांति और अधिकमास के दुर्लभ महासंयोग के चलते सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लग गया। सुबह 5 बजे से ही लाखों श्रद्धालुओं ने मां नर्मदा में आस्था की डुबकी लगाकर पूजा-अर्चना और दान-पुण्य किया। रविवार शाम से ही शहर में मेले जैसा माहौल बनने लगा था। बड़ी संख्या में श्रद्धालु सेठानी घाट, विवेकानंद घाट, कोरी घाट, गोंदरी घाट और पर्यटन घाट पहुंचने लगे। रातभर घाटों पर भजन-कीर्तन और जागरण का दौर चलता रहा। सोमवार सुबह सूर्योदय के साथ ही मुख्य स्नान शुरू हुआ और सभी घाट श्रद्धालुओं से खचाखच भर गए। कई स्थानों पर पैर रखने तक की जगह नहीं बची। इस पावन अवसर पर केवल नर्मदापुरम जिले ही नहीं, बल्कि भोपाल, विदिशा, बैतूल, छिंदवाड़ा सहित महाराष्ट्र के नागपुर से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। पंडित शुभम दीक्षित ने बताया कि जब अमावस्या तिथि सोमवार के दिन पड़ती है तो उसे सोमवती अमावस्या कहा जाता है। इस बार यह पर्व ज्येष्ठ अधिकमास (पुरुषोत्तम मास) में आने से इसका महत्व कई गुना बढ़ गया है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन पवित्र नदियों में स्नान, भगवान विष्णु और भगवान शिव की पूजा, पीपल वृक्ष की परिक्रमातथा दान-पुण्य करने से अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है और पितरों का आशीर्वाद मिलता है। मान्यता है कि सोमवती अमावस्या पर किए गए पुण्य कर्मों का फल कई गुना बढ़कर मिलता है। इस दिन विशेष रूप से अन्न, वस्त्र, जल, फल, गौसेवा, गरीबों को भोजन और जरूरतमंदों की सहायता करने का विशेष महत्व बताया गया है। विवाहित महिलाएं परिवार की सुख-समृद्धि और पति की दीर्घायु के लिए व्रत रखकर पीपल वृक्ष की 108 परिक्रमा भी करती हैं।

सुरक्षा के कड़े इंतजाम

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं। राजस्व अधिकारियों के साथ पुलिस और होमगार्ड के जवानों की बड़ी टीम घाटों पर तैनात की गई है। गहरे पानी में जाने पर पूरी तरह रोक लगाई गई है। सेठानी घाट सहित विभिन्न घाटों पर श्रद्धालुओं को सावधानी बरतने और सुरक्षित स्नान करने की सलाह दी जा रही है।

न्यूज विंडो

खिलाड़ियों ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जीते 13 पदक

गंजबासौदा। सागर में आयोजित तृतीय राज्य स्तरीय ओपन गोल्ड कप बालक-बालिका ताइक्वांडो प्रतियोगिता में बासौदा ताइक्वांडो क्लब के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कुल 13 पदक अपने नाम किए। प्रतियोगिता में प्रदेश के 21 जिलों से लगभग 520 खिलाड़ियों ने भाग लिया। बासौदा ताइक्वांडो क्लब ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कैडेट गर्ल्स वर्ग में प्रथम स्थान तथा सब जूनियर गर्ल्स वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। क्लब के 15 खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया और विभिन्न वर्गों में पदक जीतकर नगर का गौरव बढ़ाया। सब जूनियर फाइट वर्ग में गौरी रघुवंशी एवं रिंकी विश्वकर्मा ने स्वर्ण पदक जीते, जबकि रियांश वर्मा और मानस साहू ने कांस्य पदक हासिल किए। कैडेट गर्ल्स फाइट वर्ग में अनुकृति नरवरिया, अर्पिता शर्मा, ओजस्वनी साहू एवं रिदम रघुवंशी ने स्वर्ण पदक अपने नाम किए। वहीं अन्वी दांगी ने रजत पदक तथा दीपिका रैकवार ने कांस्य पदक प्राप्त किया। जूनियर गर्ल्स फाइट वर्ग में कविता सोलंकी ने कांस्य पदक जीता। वहीं पूमसे स्पर्धा में अन्वी दांगी ने कैडेट वर्ग तथा कविता सोलंकी ने जूनियर वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर क्लब की उपलब्धियों में चार चांद लगाए। क्लब के प्रशिक्षक हेमंत कुमार विश्वकर्मा ने बताया कि खिलाड़ियों ने कड़ी मेहनत, अनुशासन और नियमित अभ्यास के बल पर यह सफलता हासिल की है। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर मध्यप्रदेश ताइक्वांडो संघ के सचिव दिलीप थापा, ताइक्कांडो कोच आकाश अग्रवाल सहित नगर के गणमान्य नागरिकों ने सभी विजेता खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को बधाई और शुभकामनाएं दीं। इस शानदार प्रदर्शन से बासौदा ताइक्वांडो क्लब तथा पूरे नगर का नाम प्रदेश स्तर पर गौरवान्वित हुआ है।

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का हुआ समापन

गंजबासौदा। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर आरोह 2026 का समापन शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के इंडोर खेल परिसर में आयोजित कार्यक्रम के साथ हुआ। खेल समन्वयक नूरजहां बानो ने बताया कि शिविर में खिलाड़ियों को खेल प्रशिक्षण के साथ-साथ सांस्कृतिक गतिविधियों एवं खेलो, सीखो, आगे बढ़ो थीम पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया। बच्चों ने बैडमिंटन, कबड्डी, क्रिकेट एवं ताइक्कांडो की तकनीकी बारीकियां सीखकर अपने खेल कौशल को निखारा। इसके अलावा फिटनेस, व्यक्तित्व विकास एवं सामाजिक जागरूकता से जुड़े कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। समापन समारोह में उपस्थित अतिथियों ने सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों को प्रमाण-पत्र वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा भविष्य में खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य प्रदीप चौरसिया, एनसीसी प्रभारी अनिल दुबे, एनएसएस प्रभारी दिनेश ओझा, विकासखंड खेल प्रभारी स्वतंत्र जैन सहित बड़ी संख्या में खिलाड़ी, अभिभावक एवं खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

भैंस चराने गए चचेरे भाइयों की तालाब में डूबने से मौत, कपड़ों से पता चला

शिवपुरी। जिले के दिनारा थाना क्षेत्र में रविवार का दिन दो परिवारों के लिए काल बनकर आया। गांव से महज कुछ दूरी पर स्थित तालाब ने दो मासूम चचेरे भाइयों की जिंदगी लील ली। भैंस चराने निकले दोनों बच्चे दोपहर तक घर नहीं लौटे तो परिजनों की चिंता बढ़ी। तलाश करते हुए जब लोग तालाब किनारे पहुंचे तो वहां बच्चों के कपड़े पड़े मिले। अनहोनी की आशंका में पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस और ग्रामीणों ने रेस्क्यू कर दोनों किशोरों के शव तालाब से बाहर निकाले। घटना के बाद पूरे सिनदउआ गांव में मातम का माहौल है। जानकारी के अनुसार दिनारा से करीब 15 किलोमीटर दूर स्थित सिनदउआ गांव निवासी 11 वर्षीय अनिकेत पुत्र नारायण पाल अपने 12 वर्षीय चचेरे भाई शिवकुमार पुत्र लक्ष्मण पाल के साथ रविवार सुबह घर से भैंस चराने निकला था। रोज की तरह दोनों बच्चे गांव के पास स्थित तालाब किनारे पहुंचे। दोपहर एक बजे तक जब दोनों घर नहीं लौटे तो परिजनों को चिंता हुई। परिवार के लोग बच्चों को ढूंढते हुए तालाब की तरफ गए। तालाब किनारे पहुंचे परिजनों को अनिकेत और शिवकुमार के कपड़े पड़े मिले। भैंसें आसपास चर रही थीं, लेकिन बच्चों का कोई पता नहीं था। यह देखकर परिजनों के होश उड़ गए। उन्होंने तुरंत गांव में सूचना दी और दिनारा थाना पुलिस को मामले की जानकारी दी। खबर मिलते ही थाना प्रभारी रविन्द्र सिंह कुशवाह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

औबेदुल्लागंज में आबकारी विभाग की शह पर खुले सड़क पर अवैध बार

नेशनल हाईवे और रेहटी रोड बना जाम छलकाने का अड्डा, आम जनता त्रस्त

औबेदुल्लागंज। दोपहर मेट्रो

क्या औबेदुल्लागंज में कानून का कोई अस्तित्व बचा है? यह सवाल इसलिए उठ रहा है क्योंकि शहर के बीचों-बीच, नेशनल हाईवे-45 और रेल ओवरब्रिज के नीचे खुलेआम शराब के अवैध बार संचालित हो रहे हैं। शराब ठेकेदारों की मनमानी और आबकारी विभाग की संदिग्ध चुप्पी के चलते राहगीर और स्थानीय नागरिक खौफ के साये में जीने को मजबूर हैं।

तस्वीर में साफ देखा जा सकता है कि किस तरह सड़क पर गाड़ियों का जमावड़ा लगा है और लोग खुलेआम सड़क किनारे बैठकर शराब पी रहे हैं। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि आबकारी विभाग केवल कागजी कार्यवाही का ढोंग करता है। विभाग के अधिकारी गौरव सोनभद्र अक्सर मुख्यालय से नदारद रहते हैं। आरोप है कि आबकारी विभाग केवल शराब ठेकेदारों का पैरोकार बनकर रह गया है, जो केवल उन लोगों पर छापेमारी करता है जो ठेकेदारों के इशारे पर काम नहीं करते।

नेशनल हाईवे-45 पर संचालित शराब दुकान के सामने सड़क पर बनें इन अवैध अड्डों

के कारण सड़क पर घंटों गाड़ियां खड़ी रहती हैं, जिससे कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। वहीं सूत्र बताते हैं कि रेहटी रोड ब्रिज पर संचालित शराब दुकान के ठेकेदार के कर्मचारी सड़क पर ही हुड़दंग मचाते हैं। यदि कोई स्थानीय निवासी इसका विरोध करता है, तो उससे मारपीट और जान से मारने की धमकियां दी जाती हैं। आबकारी विभाग, पुलिस और स्थानीय प्रशासन–तीनों ने जैसे आंखें मूंद ली हैं। वहीं एक शिकायतकर्ता ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि दो दिन पहले मेरे साथ शराब ठेकेदार के कर्मचारियों ने मारपीट की और जन से मारने की धमकी दी जिसकी थाने में शिकायत के बावजूद ठेकेदार के कर्मचारियों पर कोई ठोस कार्रवाई न होना, मिलीभगत की ओर इशारा करता है।

वहीं नगर के निवासियों का कहना है कि यह केवल शराब पीने का मामला नहीं है, बल्कि प्रशासनिक विफलता का जीता-जागता प्रमाण है। क्या प्रशासन तब जागेगा जब कोई बड़ी दुर्घटना होगी या किसी निर्दोष की जान जाएगी। इसके साथ ही युवा कांग्रेस के नगर अध्यक्ष दुर्गेश यादव का कहना हैं कि आबकारी विभाग के अधिकारी ही अवैध रूप से शराब बिकवा रहें हैं और गली गली शराब गाड़ियों से पहुंचाई जा रही हैं । पूरे नगर में पान गुमठियों पर किराना दूकानों पर ढाबों पर सब जगह शराब बिकवाई जा रही हैं । अब बड़ा सवाल यह खड़ा होता है कि क्या आबकारी अधिकारी गौरव भद्रसेन और शराब ठेकेदारों के गठजोड़ पर उच्च स्तरीय जांच होगी। आखिर कब तक औबेदुल्लागंज की जनता इन शराब माफियाओं की दबंगई और प्रशासन की लापरवाही का शिकार होती रहेगी। अब समय आ गया है कि जिम्मेदार अधिकारी जवाब दें और इन अवैध अड्डों को तत्काल बंद कराया जाए।

नर्मदापुरम में नवागत थाना प्रभारी ने किया पैदल भ्रमण, सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

शहर में कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा आमजन में सुरक्षा का भरोसा कायम रखने के उद्देश्य से कोतवाली के नवागत थाना प्रभारी गौरव बुंदेला ने पुलिस बल के साथ शहर के प्रमुख क्षेत्रों में पैदल भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न बाजारों, प्रमुख चौकों और घाट क्षेत्रों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

थाना प्रभारी ने सतरास्ता, जय स्तंभ चौक, अमर चौक, हलवाई चौक, सराफा बाजार, इंदिरा चौक, सेठानी घाट, पर्यटन घाट और कोरीघाट क्षेत्र का दौरा किया। पैदल गश्त के दौरान उन्होंने व्यापारियों, स्थानीय नागरिकों और क्षेत्रवासियों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा सुरक्षा संबंधी सुझाव भी प्राप्त किए। निरीक्षण के दौरान संवेदनशील और भीड़भाड़ वाले इलाकों की स्थिति का आकलन करते हुए पुलिस कर्मियों को विशेष सतर्कता बरतने और नियमित निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए गए। थाना प्रभारी गौरव बुंदेला ने कहा कि शहर में शांति, सुरक्षा और अपराध नियंत्रण पुलिस की प्राथमिकता है। इसके लिए नियमित रूप से पैदल गश्त, निगरानी अभियान और जनसंवाद कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे, ताकि आम नागरिक स्वयं को सुरक्षित महसूस कर सकें।

ऑपरेशन प्रहार से अपराधियों में हड़कंप, 89 वारंटियों को दबोचा

धार। दोपहर मेट्रो

जिले में पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा के कुशल निर्देशन में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करने और अपराधियों पर लगाम लगाने के उद्देश्य से चलाए गए ऑपरेशन प्रहार ने जिले भर में अपराधियों की नींद उड़ा दी है। पुलिस के इस सघन अभियान ने आपराधिक तत्वों के बीच कड़ा संदेश दिया है। अभियान के तहत जिले के विभिन्न थानों की टीमों ने समन्वित प्रयास करते हुए अपराधियों, वारंटियों एवं असामाजिक तत्वों के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाया। पुलिस की विभिन्न टीमों ने जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में एक साथ दबिश दी, जिससे अपराधियों को संभलने का मौका नहीं मिला। अभियान के दौरान पुलिस ने कुल 89 स्थायी और गिरफ्तारी वारंटियों को गिरफ्तार कर जेल की सलाखों के पीछे पहुंचाया। पुलिस ने 109 संपत्ति संबंधी सक्रिय हिस्ट्रीशीटरों, जिला बदर अपराधियों और गुंडा तत्वों को चिन्हित कर उनकी सघन चेकिंग की। इस कार्रवाई के संबंध में पुलिस अधिकारियों का कहना है कि ऑपरेशन प्रहार का मुख्य लक्ष्य अपराधियों के मन में कानून का भय पैदा करना और आम नागरिकों में सुरक्षा की भावना को मजबूत करना है। पुलिस का स्पष्ट मानना है कि यदि अपराधी भयमुक्त रहेंगे, तो समाज सुरक्षित नहीं रह सकता। एसपी शर्मा के अनुसार जिले में अपराध नियंत्रण और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस तरह के विशेष

अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे। पुलिस विभाग अपने संकल्प–सुरक्षित समाज, निर्भीक जन, सशक्त पुलिस–को धरातल पर उतारने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

मेट्रो एंकर

पत्रकारवार्ता: अध्यक्ष ने लगाए आरोप

लोकतंत्र निष्पक्ष चुनाव से चलता है, चुनाव को बना दिया मजाक

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

लोकतंत्र केवल चुनाव से नहीं चलता, बल्कि निष्पक्ष चुनाव से चलता है। राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार सुश्री मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त किया जाना केवल एक उम्मीदवार के साथ अन्याय का मामला नहीं है, बल्कि यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया, निष्पक्ष चुनाव और संवैधानिक मूल्यों पर गंभीर प्रहार है। उक्त बात जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनीता पटेल ने जिला कांग्रेस कार्यालय में आयोजित पत्रकारवार्ता में कही।

श्रीमती पटेल ने पत्रकारों के प्रश्नों का उत्तर देते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी का स्पष्ट मत है कि जिस प्रकार की आपत्तियों और व्याख्याओं के आधार पर मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त किया गया, उसने पूरे देश में चुनावी प्रक्रिया की

निष्पक्षता को लेकर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। आपने बताया कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, मध्यप्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, वरिष्ठ अधिवक्ता एवं सांसद डॉ. विवेक तन्खा तथा वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी सहित कांग्रेस नेतृत्व ने लगातार यह प्रश्न उठाया है कि क्या चुनावी प्रक्रिया कानून के अनुरूप संचालित होगी या राजनीतिक दबावों के अनुरूप आपने बताया कि जिस निजी परिवाद का उल्लेख किया गया है, उसमें मीनाक्षी नटराजन को अभियुक्त नहीं बल्कि प्रतिवादी के रूप में दर्शाया गया है। प्रतिवादी और . अभियुक्त की कानूनी स्थिति अलग-अलग होती है। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 33 और फॉर्म-26 की व्यवस्था का उद्देश्य उन आपराधिक मामलों की जानकारी प्राप्त करना है जिनमें उम्मीदवार के विरुद्ध विधिवत आपराधिक कार्यवाही चल रही हो तथा कानून के अनुरूप आवश्यक प्रकटीकरण अपेक्षित हो। पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष मैथिलीशरण तिवारी ने कहा कि जिस आधार को नामांकन निरस्त करने का कारण बनाया गया, वह इन प्रावधानों की भावना और व्याख्या से मेल नहीं खाता। यदि किसी उम्मीदवार के नामांकन को ऐसे आधारों पर निरस्त किया जाता है जिनकी स्पष्ट अपेक्षा नामांकन प्रपत्र में नहीं है, तो यह भविष्य में किसी भी उम्मीदवार के लिए अनिश्चितता और मनमानी की स्थिति पैदा कर सकता है। कांग्रेस पार्टी मानती है कि मीनाक्षी नटराजन जैसी साफ-सुथरी छवि, वैचारिक प्रतिबद्धता और जनसेवा के लिए समर्पित नेता को चुनावी प्रक्रिया से बाहर किया जाना लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध है। शहर कांग्रेस अध्यक्ष रोहित पटेल ने कहा कि संविधान, लोकतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की रक्षा के लिए कांग्रेस पार्टी का संघर्ष निरंतर जारी रहेगा। उक्त मौके पर सुरेंद्र पटेल, सतीश सेनी, संजय कौरव आदि मौजूद रहे। जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनीता पटेल ने आरोप लगाया कि जिले भर में अवैध कार्य चल रहे हैं भाजपा का संरक्षण है।

सर्वसाधारण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री मोहम्मद इब्राहिम खान पुत्र श्री मोहम्मद जावेद खान निवासी भोपाल भूमि स्वामी से भूमि सर्वे नंबर 246/2/2//1/3 ग्राम बड़वाई तहसील हुजूर नगर निगम सीमा क्षेत्र भोपाल के वार्ड नंबर 75 प्लाट नंबर 17 रकबा 5340 वर्ग फुट भूमि श्रीमती नाहिद जहां एवं तौहीद शेख निवासी, कस्तूरबा नगर, गुना द्वारा क्रय की जा रही है यदि किसी भी व्यक्ति को किसी भी प्रकार की आपत्ति हो तो 15 दिवस के अंदर नीचे लिखे पते पर सूचित करने का कष्ट करें, अन्यथा समय अवधि निकल जाने के बाद कोई आपत्ति मान्य /स्वीकार नहीं की जाएगी।

पता: श्रीमती नाहिद जहां पत्नी निसार अहमद कस्तूरबा नगर गुना जिला गुना (मध्य प्रदेश) मोबाइल नंबर 8435251580

चलते ट्रक में भड़की भीषण आग, परचून का सामान जलकर खाक

उमरिया। दोपहर मेट्रो

जिले के इंदवार थाना क्षेत्र में आज तड़के एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया, जब परचून का सामान लेकर जा रहे एक ट्रक में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और ट्रक में लदा अधिकांश सामान जलकर राख हो गया। हालांकि समय रहते फायर ब्रिगेड के मौके पर पहुंच जाने से आग पर काबू पा लिया गया और किसी जनहानि की सूचना नहीं है। जानकारी के अनुसार घटना सुबह करीब 3 बजे की है। कटनी से ब्यौहारी क्षेत्र के टिहकी गांव की ओर परचून का सामान लेकर जा रहा ट्रक बरही-मानपुर मार्ग स्थित स्टेट हाईवे-10 पर पनपथा गांव के हाई स्कूल के पास पहुंचा ही था कि अचानक उसमें आग लग गई। शुरुआती तौर पर आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है, लेकिन कुछ ही मिनटों में लपटों ने पूरे वाहन को अपनी चपेट में ले लिया। रात के सन्नाटे में ट्रक से उठती आग की ऊंची लपटें और धुएं का गुबार दूर-दूर तक दिखाई देने लगा। आग इतनी तेज थी कि ट्रक में रखा परचून का सामान तेजी से जलने लगा। चालक और आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस और फायर ब्रिगेड को दी।

काफी मशक्कत के बाद आग पर पाया जा सका नियंत्रण

फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया जा सका। यदि आग समय पर नहीं बुझाई जाती तो ट्रक पूरी तरह जल सकता था और आसपास के क्षेत्र में भी खतरा पैदा हो सकता था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि कुछ ही देर में ट्रक का बड़ा हिस्सा जलकर क्षतिग्रस्त हो गया। आग लगने से लाखों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। हालांकि वास्तविक नुकसान का आंकलन जांच के बाद ही सामने आ सकेगा। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंची और हालात का जायजा लिया। पुलिस द्वारा आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट या तकनीकी खराबी की संभावना से इनकार नहीं किया जा रहा, लेकिन वास्तविक कारण जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो पाएंगे। फिलहाल इस घटना में किसी व्यक्ति के हताहत होने की सूचना नहीं है। फायर ब्रिगेड और स्थानीय प्रशासन की त्वरित कार्रवाई से एक बड़ा हादसा टल गया, लेकिन ट्रक और उसमें लदा अधिकांश सामान आग की भेंट चढ़ गया।

न्यूज विंडो

बैठक में नरसिंहपुर नगर पटवा - लखेरा समाज का किया गठन

नरसिंहपुर। अखिल भारतीय पटवा में समाज सभा के तहत नरसिंहपुर नगर पटवा समाज की आवश्यक बैठक प्रदेश सहप्रचार मंत्री डॉ राजकुमार पटवा के निवास पर रखी गई जिसमें नगर पटवा समाज की नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया । नगर अध्यक्ष राकेश पटवा एवं सचिव प्रशांत पाटकर व अन्य पदाधिकारी को चयन किया गया। संपूर्ण मध्य प्रदेश में समस्त पटवा समाज के द्वारा पटवा समाज को विश्वकर्मा योजना के तहत पटवा समाज कल्याण बोर्ड के गठन हेतु मांग जोरों पर उठ रही है सभी प्रदेश पदाधिकारी ,जिला व नगर अध्यक्षो द्वारा स्थानीय विधायकों और मंत्रियों के द्वारा माननीय मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किए जा रहे हैं। बैठक में विभिन्न सुझावों पर चर्चा की है जिसमें समाज मे ऐसी प्रतिभाएं हैं जो समाज को गौरवानवित कर रहे हैं उनका सम्मान समारोह, वरिष्ठ समाज बंधु जो लगातार विगत वर्षों से समाज में सक्रिय व समाज उत्थान में भूमिका निभा रहे हैं उनका अभिनंदन मंच द्वारा किया जाएगा। उपरोक्त जानकारी प्रदेश सह प्रचार मंत्री डॉ राजकुमार पटवा द्वारा प्रेषित की गई।

सागर संभाग की बालिकाओं का शैक्षणिक भ्रमण दल रवाना

सागर। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा संचालित मां तुझे प्रणाम योजना के अंतर्गत सागर संभाग की 50 बालिकाओं एवं अधिकारियों का दल सोमवार को सागर स्थित खेल परिसर से जबलपुर के भेड़ाघाट एवं पेच नेशनल पार्क भ्रमण के लिए रवाना हुआ। दल को नरयावली विधायक इंजीनियर प्रदीप लारिया ने हरी झंडी दिखाकर शुभकामनाओं सहित रवाना किया। इस अवसर पर विधायक लारिया ने कहा कि मां तुझे प्रणाम योजना केवल एक भ्रमण कार्यक्रम नहीं, बल्कि युवा पीढ़ी में राष्ट्रभक्ति, अनुशासन, साहस, नेतृत्व क्षमता एवं प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने का सशक्त माध्यम है। ऐसी योजनाएं विद्यार्थियों को अपने प्रदेश की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं प्राकृतिक धरोहरों से परिचित कराते हुए उनमें आत्मविश्वास, सामाजिक चेतना और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना का विकास करती हैं। लारिया ने बालिकाओं से भ्रमण के दौरान प्राप्त अनुभवों को अपने जीवन में आत्मसात करने का आह्वान करते हुए कहा कि यात्रा केवल नए स्थानों को देखने का अवसर नहीं होती, बल्कि सीखने, समझने और स्वयं को बेहतर बनाने का भी माध्यम होती है। इस अवसर पर जिला खेल अधिकारी प्रदीप अभिद्रा, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, वीनू राणा, मंगल यादव, प्रेम नीति, खेल प्रशिक्षक एवं खिलाड़ीगण उपस्थित रहे।

केसली से मुख्यमंत्री की बड़ी सौगात: 1.25 करोड़ लाडली बहनों के खातों में पहुंचे 1835 करोड़ रुपए

मातृशक्ति का आशीर्वाद बना संबल, विकास पथ पर लगातार आगे बढ़ता मध्यप्रदेश: डॉ. यादव

सागर। दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बुन्देलखंड की इस धरती ने अपने अंदर गौरवशाली अतीत को संजोकर रखा है। बुन्देलखंड के वीरों ने अतीत से लेकर आज तक देश के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर किया है। उन्होंने कहा कि मातृशक्ति का आशीर्वाद सरकार के लिए संबल प्रदान कर रहा है। उनकी सहभागिता एवं नेतृत्व के माध्यम से आज मध्यप्रदेश विकास पथ पर आगे बढ़ता हुआ भारत को विकसित भारत बनाने में अपना सहयोग दे रहा है।

मुख्यमंत्री सागर जिले के केसली में आयोजित लाड़ली बहना सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। लाड़ली बहना सम्मेलन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने लगभग 190.85 करोड़ रुपये की लागत के कुल 53 कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन करते हुए शिलापट्टिका का अनावरण किया। जिसमें लगभग 68.83 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 25 निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं 122.02 करोड़ रुपये की लागत से 28 कार्यों का भूमिपूजन किया गया एवं लाड़ली बहना योजना की 37वीं किस्त भी जारी की मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मातृशक्ति का सशक्तिकरण और उनका नेतृत्व वर्तमान की आवश्यकता है और सरकार इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए लगातार का कार्य कर रही है। लाड़ली बहना योजना जो कि आज तीसरे साल में प्रवेश कर रही है जिसके माध्यम से प्रत्येक माह बहनों के बैंक खातों में राशि प्रदान की जा रही है। लाड़ली बहना योजना हमारी माताओं बहनों के आर्थिक स्वावलंबन का आधार बनी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इससे सुखद बात क्या हो सकती है कि लाडली बहना योजना से मिली राशि के एक-एक पैसे से बहनें अपने परिवार के संचालन में सहयोग कर रही हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सम्मेलन में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की। ग्राम पंचायत गौरझामर एवं ग्राम पंचायत केसली को नगर पंचायत बनाने की घोषणा । उन्होंने केसली में सांदीपनि विद्यालय सेकण्ड फेस का कार्य प्रारंभ करने, शासकीय हाई स्कूल चिरचिटा सुखजू में हायर सेकण्डरी स्कूल तक उन्नयन करने, शासकीय हाई स्कूल देवरी, नाहरमऊ, नन्ही देवरी का उन्नयन करने, कृषि उपज मंडी केसली का नाम रानी अवंतिबाई के नाम पर रखने, देवरी में 100 बिस्तरों का अस्पताल स्टाफ सहित प्रारंभ करने की घोषणा की। इस अवसर पर खाद्य, सांसद डॉ. लता वानखेड़े,विधायक गोपाल भार्गव, भूपेंद्र सिंह, शैलेंद्र जैन, प्रदीप लारिया, निर्मला सप्रे, रानी कुशवाहा, संभागायुक्त अनिल सुचारी, डीआईजी एस एस चौहान, कलेक्टर प्रतिभा पाल, पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

सिंगल क्लिक से अंतरित की 37वीं किस्त

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंच से ही रिमोट से सिंगल क्लिक के माध्यम से प्रदेश की 1.25 करोड़ से अधिक लाड़ली बहनों को 1835 करोड़ रुपए राशि अंतरित की। इनमें सागर की 4 लाख 15 हजार से अधिक लाड़ली बहनें शामिल हैं जिनके बैंक खातों में 61.14 करोड़ रुपए की राशि अंतरित की गई। हितग्राही बहनों को उनके बैंक खातों में 37वीं किस्त के रूप में 1500 रुपए की सौगात मिली है।

100 लाख हेक्टेयर सिंचित का लक्ष्य

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार किसानों के हित में अनेक महत्वपूर्ण कार्य कर रही है उनके खेतों के लिए पानी की व्यवस्था कर रही है। उन्होंने कहा कि सिंचाई के मामले में मध्यप्रदेश में 44 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 65 लाख हेक्टेयर तक सिंचित रकवा पहुंचा है और सरकार का लक्ष्य इसे 100 लाख हेक्टेयर करने का है। जब किसान के खेत में पानी आता है तो उसके साथ उसके जीवन में बदलाव आता है। दुग्ध उत्पादन को बढावा देने के लिए भी सरकार कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 12 वर्षों तक लगातार प्रधानमंत्री पद रहने का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री की लोकल्याणकारी योजनओं के माध्यम से आज जरूरतमंदों को आवास, स्वास्थ्य सहित समस्त सुविधाएं प्राप्त हो रही हैं। धरती आबा योजना के माध्यम से जनजातीय समाज के कल्याण के लिए अनेक कार्य किए जा रहे हैं।

104 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीदी

खाद्य मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने कहा कि कृषक कल्याण वर्ष में किसानों का कल्याण किया जा रहा है, उनकी उपज को सरकारी दाम पर खरीदा जा रहा है। इस वर्ष 104 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीदी की गई। उन्होंने कहा कि पहली बार मध्यप्रदेश में किसानों की भूमि का अधिग्रहण होने पर उसका चार गुना मुआवजा किसानों को मिलेगा। इसी प्रकार मध्यप्रदेश सहित बुन्देलखंड में औद्योगिक विकास किया जा रहा है। सांसद राहुल सिंह लोधी ने कहा कि यह कार्यक्रम केवल केसली का नहीं, बल्कि पूरे मध्यप्रदेश का कार्यक्रम है। देवरी विधायक ब्रज बिहारी पटेरिया ने कहा कि मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री के नेतृत्व में चलाई जा रही योजनाओं के माध्यम से गरीब, महिला, किसान, युवा का कल्याण हो रहा है। आवासहीनों को आवास, भूमिहीनों को भूमि के पट्टे मिल रहे हैं और महिलाओं को संबल मिल रहा है। लाड़ली बहना योजना के माध्यम से महिलाओं की समाज एवं परिवार में स्थिति मजबूत हुई है।

दीनदयाल नगर में एक महिला का किचिन में मिला शव, सुसाइड नोट भी बरामद

पुलिस ने बताया फांसी लगाकर आत्महत्या करने का मामला

सागर। दोपहर मेट्रो

मकरोनिया थाना के दीनदयाल नगर में एक महिला का शव किचिन में मिला है। महिला करीब डेढ़ साल पहले पति को छोड़ किराए के कमरे में रह रही थी। पुलिस ने फांसी लगाकर आत्महत्या का मामला बताते हुए एक सुसाइडनोट भी जब्त किया है। सुसाइड नोट में प्रेमी की बेवफाई से क्षुब्ध होकर आत्महत्या करना बताया जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद स्थिति और स्पष्ट हो जाएगी कि मामला हत्या का है या आत्महत्या का. पुलिस अभी दोनों एंगल से जांच कर रही है। सुसाइड नोट की भी जांच कराई जाएगी। मृतका के पति ने भानेज दामाद और उसके परिवार वालों पर हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस से उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की है। पुलिस के अनुसार 35 वर्षीय सोनाली पटेल का शव दीनदयाल नगर में किराए के मकान में मिला है। शुक्रवार-शनिवार की दरम्यानी रात उसने रस्सी से फांसी लगाई थी। उसके भानेज दामाद सुंदर पटेल की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची तो देखा शव किचिन में पड़ा था, शव से खून भी निकला था. पास में रस्सी थी। बताया जा रहा है कि हाथ-पैर में कांच से घाव लगने से खून निकला।

पुलिस की पूछताछ में सुंदर ने बताया कि 4 माह से वह यहां किराए से रह रही थी। इसके पहले किसी और जगह रहने की बात भी कही। पुलिस ने मृतका के पति खरगराम पटेल को फोन किया। रविवार को पति खरगराम व परिजन की मौजूदगी में पोस्टमार्टम कराया गया। पति ने भानेज दामाद पर सोनाली की हत्या कर शव को फांसी पर लटकाने का आरोप लगाया है। मृतका का एक 9 साल का बेटा है।

मामले में हर एंगल से की जा रही है जांच

मकरोनिया थाना प्रभारी रविंद्र चौहान ने बताया कि सोनाली पटेल दीनदयाल नगर में किराए के मकान में रह रही थी। बीती रात उसका शव मिला है। मामला आत्महत्या का है। एक सुसाइडनोट मिला है, जिसमें प्रेम-प्रसंग के चलते प्रेमी से बेवफाई का जिक्र है। इसी के चलते उसने रस्सी से फांसी लगा ली। उसके पैर के तलवों में कांच लगने से खून निकला है। उसने पति को छोड़ दिया था। यहां एक रिश्तेदार ने किराए पर मकान दिलाया था। वह भी आता-जाता था। मामले में हर एंगल से जांच चल रही है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद मामले में स्थिति और स्पष्ट हो जाएगी। पति व भानेज दामाद से मामले में पूछताछ की है।

कान्हा टाइगर रिजर्व में गश्त के दौरान बाघ के हमले से हुई श्रमिक की मौत

मंडला। दोपहर मेट्रो

कान्हा टाइगर रिजर्व में गश्त के दौरान बाघ के हमले में एक अग्नि सुरक्षा श्रमिक की मौत हो गई। यह घटना कान्हा परिक्षेत्र की नकटी घाटी बीट के कक्ष 136 में कैंप के पास घंघारनाला क्षेत्र में हुई। मृतक की पहचान लखन सिंह पुत्र बुद्ध सिंह के रूप में हुई है। वह बालाघाट जिले के ग्राम आमगहन का निवासी था। लखन सिंह कान्हा टाइगर रिजर्व में अग्नि सुरक्षा श्रमिक के तौर पर कार्यरत था।

कार्यालय थाना प्रभारी थाना स्टेशन बजरिया भोपाल

क्रमांक मर्ग क्र. 23/25 दिनांक 12/06/26

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि थाना स्टेशन बजरिया जिला भोपाल (म.प्र.) के मर्ग क्रमांक 23/26 धारा 194 बी.एन.एस.ए. में मृतक अज्ञात पुरूष उम्र करीबन 40-45 साल निवासी अज्ञात हुलियाः- उचाई करीबन 5 फिट 7 इंच मृतक का शरीर पानी में पड़े होने के कारण फूल गया है सिर के बाल गिर गये है तथा आंखे बाहर निकल गई है शरीर पर मात्र सफेद रंग की सेण्डो बनियान पहने है। जो झण्डा चौक के पास नाला चांदवड थाना स्टेशन बजरिया भोपाल में दिनांक 10/06/26 को दिन के 01.00 बजे मिला है। मृतक का शरीर डिकम्पोस हो गया है। उपरोक्त मृतक के बारे में कोई जानकारी प्राप्त हो तो थाना स्टेशन बजरिया भोपाल में संपर्क करें। तथा थाना मोबाईल नंबर 947990523, 7049104193 पर तत्काल संपर्क करें।

जी-14361/26

थाना प्रभारी
स्टेशन बजरिया (भोपाल)

मेट्रो एंकर

पुरुषोत्तम मास की सोमवती अमावस्या पर उमड़ी भक्तों की भीड़

बेतवा नदी के रिपटा घाट पर दिखा भक्ति और श्रद्धा का नजारा

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

पुरुषोत्तम मास में पड़ रही सोमवती अमावस्या के दुर्लभ संयोग पर सोमवार को बेतवा रिपटा घाट पर श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। सुबह ब्रह्ममुहूर्त से ही हजारों श्रद्धालु बेतवा नदी के तट पर पहुंचने लगे और पवित्र स्नान कर भगवान विष्णु तथा शिव की पूजा-अर्चना की। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पुरुषोत्तम मास और सोमवती अमावस्या का एक साथ पड़ना अत्यंत शुभ एवं दुर्लभ संयोग माना जाता है। इसी कारण बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने बेतवा नदी में स्नान कर दान-पुण्य, जप-तप और पूजन कर धर्म लाभ अर्जित किया। घाटों पर महिलाओं, पुरुषों और बुजुर्गों की भारी भीड़ सुबह से देर तक बनी रही। श्रद्धालुओं ने स्नान के बाद पीपल वृक्ष की पूजा कर परिक्रमा की तथा परिवार की सुख-समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। कई श्रद्धालुओं ने व्रत रखकर धार्मिक अनुष्ठान भी संपन्न किए। घाट क्षेत्र में भजन-कीर्तन और धार्मिक गतिविधियों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। दुर्लभ संयोग के चलते आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु बेतवा रिपटा घाट पहुंचे। पूरे दिन श्रद्धालुओं का आवागमन जारी रहा और घाट पर आस्था का जनसैलाब उमड़ता रहा। पुरुषोत्तम मास की सोमवती अमावस्या पर हुए इस पुण्य स्नान को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह और श्रद्धा देखने को मिली।

कार्यालय सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक जयप्रकाश जिला-चिकित्सालय भोपाल, (मध्यप्रदेश)

(1250, तुलसी नगर भोपाल, परिसर, भोपाल)

क्र/ज.प्र.जि.चि./भण्डार/2026/20105 भोपाल दिनांक : 10/06/26

// निविदा सूचना (प्रथम अवसर) //

जयप्रकाश जिला चिकित्सालय भोपाल के नेत्र रोग विभाग हेतु Opthalmic Operating Microscope उपार्जन हेतु एम पी टेण्डर पोर्टल के माध्यम से ई-निविदा में इच्छुक निविदाकार ऑनलाईन निविदा जमा कर सकते है। निविदा से संबंधित शर्तें, नियम, संशोधित पत्र आदि का ब्यौरा समय-समय पर MP Tender Portal Web Site https://mptenders.gov.in/ पर ऑनलाईन देखा जा सकता हैं। जिसका विस्तृत विवरण निम्नानुसार हैं :

क्र.	विवरण	तिथि एवं समय
01	प्रकाशन तिथि	15-06-2026, 11:30 AM
02	दस्तावेज डाउनलोड/ विक्रय प्रारंभ तिथि	15-06-2026, 2:30 PM
03	दस्तावेज डाउनलोड / विक्रय समाप्ति तिथि	03-07-2026, 05:00 PM
04	निविदा (बिड) जमा करने की प्रारंभ तिथि	15-06-2026, 11:45 AM
05	निविदा (बिड) जमा करने की अंतिम तिथि	04-07-2026, 05:30 PM
06	प्री-बिड बैठक की तिथि	24-06-2026, 05:00 PM
07	तकनीकी निविदा (बिड) खोलने की तिथि	06-07-2026, 05:00 PM
08	वित्तीय निविदा (बिड) खोलने की तिथि	समिति द्वारा निर्धारित

(डॉ संजय जैन)

जी-14405/26

सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक
जयप्रकाश जिला चिकित्सालय भोपाल (म.प्र.)

टी-20 विश्व कप: भारतीय टीम ने 64 रनों से रौंदा

पाकिस्तानी टीम पर टूट पड़ीं दीप्ति 5 विकेट लेकर रच दिया इतिहास

बर्मिंघम, एजेंसी

आईसीसी विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारतीय टीम ने पाकिस्तान पर 64 रनों से शानदार जीत हासिल की। रविवार को बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर हुए मैच में भारत की स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने यादगार प्रदर्शन किया। अपनी शानदार गेंदबाजी के दम पर दीप्ति ने ना सिर्फ पाकिस्तान की बल्लेबाजी यूनिट को तहस-नहस किया, बल्कि कुछ बड़े रिकॉर्ड्स भी अपने नाम किए।

इस हाईवोल्टेज मुकाबले में दीप्ति शर्मा ने घातक गेंदबाजी करते हुए सिर्फ 10 रन देकर 5 विकेट झटके। महिला टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में भारत की ओर से किसी मैच में ये सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन रहा। दीप्ति ने रेणुका सिंह ठाकुर का रिकॉर्ड तोड़ दिया। रेणुका ने 2023 के संस्करण में इंग्लैंड के खिलाफ 15 रन देकर 5 विकेट लिए थे। दीप्ति ने इस दौरान गुल फिरोजा, आयशा जफर, आलिया रियाज, नाशरा संधू और तस्मिया रुबाब को अपना शिकार बनाया। उनकी सटीक लाइन-लेंथ और शानदार नियंत्रण के सामने पाकिस्तानी बल्लेबाज टिक नहीं सके।

सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन का रिकॉर्ड डिएंड्रा के नाम

हालांकि महिला टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन का रिकॉर्ड अभी भी वेस्टइंडीज की दिग्गज ऑलराउंडर डिएंड्रा डॉटिन के नाम दर्ज है। डॉटिन ने 2018 में बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले में सिर्फ 5 रन देकर 5 विकेट हासिल किए थे। दीप्ति शर्मा का यह स्पेल भारत के लिए बेहद अहम साबित हुआ। उन्होंने बीच के ओवरों में लगातार विकेट निकालकर पाकिस्तान को लक्ष्य तक पहुंचने से रोक दिया। महिला टी20 वर्ल्ड कप जैसे बड़े मंच पर पाकिस्तान के खिलाफ ऐसा प्रदर्शन करके दीप्ति ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सबसे भरोसेमंद खिलाड़ियों में से एक हैं। उनकी इस यादगार गेंदबाजी को लंबे समय तक याद रखा जाएगा।

विमेंस टी20 विश्व कप में भारत के लिए पांच विकेट

5/10 – दीप्ति शर्मा बनाम पाकिस्तान, बर्मिंघम, 2026*
5/15। रेनूका ठाकुर बनाम इंग्लैंड, गाकेबरहा, 2023
5/16 – प्रियंका रॉय बनाम पाकिस्तान, टॉनटन, 2009
देखा जाए तो दीप्ति शर्मा अब विमेंस टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज बन गई हैं। दीप्ति ने थाईलैंड की थिपाचा पुत्थावोंग का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। थिपाचा पुत्थावोंग के नाम पर विमेंस टी20 इंटरनेशनल में 165 विकेट दर्ज हैं।

महिला टी20 में सबसे अधिक विकेट

166- दीप्ति शर्मा (भारत)
165- थिपाचा पुत्थावोंग (थाईलैंड)
160- हेनरिएट इशिम्वे (रवांडा)
152- मेगन शट (ऑस्ट्रेलिया)
148- ओनिका कामचोम्फू (थाईलैंड)

विमेंस टी20 में सर्वाधिक बार पांच विकेट

3- अनीसा मोहम्मद (वेस्टइंडीज)
2- शबनम इस्माइल (साउथ अफ्रीका)
2- अर्लीन केली (आयरलैंड)
2- सुने लुस (साउथ अफ्रीका)
2- नाहिदा अख्तर (बांग्लादेश)
2- दीप्ति शर्मा (भारत)

फीफा विश्व कप : नीदरलैंड-जापान के बीच रोमांचक मुकाबला

जीत के करीब पहुंचकर डच टीम को हाथ लगी निराशा

नई दिल्ली, एजेंसी

फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-एफ के मुकाबले में नीदरलैंड और जापान के बीच खेला गया रोमांचक मैच 2-2 की बराबरी पर समाप्त हुआ। डलास स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में डच टीम दो बार बढ़त बनाने में सफल रही, लेकिन जापान ने हर बार वापसी करते हुए एक अंक हासिल कर लिया। मैच का निर्णायक मोड़ 88वें मिनट में आया, जब दाइची कामदा ने गोल कर जापान को बराबरी दिला दी।

मुकाबले की शुरुआत से ही नीदरलैंड ने गेंद पर ज्यादा नियंत्रण बनाए रखा। डोनियल मालेन को गोल करने के दो अच्छे मौके मिले, लेकिन जापान के गोलकीपर जियोन सुजुकी ने शानदार बचाव करते हुए टीम को बढ़त नहीं लेने दी। दूसरी ओर जापान ने संयमित रक्षात्मक रणनीति अपनाई और जवाबी हमलों के जरिए मौके बनाने की कोशिश की। हालांकि, पहले 45 मिनट में दोनों टीमें गोल करने में नाकाम रहीं और हाफ टाइम तक स्कोर 0-0 रहा।

वैन डाइक ने दिलाई बढ़त, नाकामुरा ने दिया जवाब- दूसरे हाफ की शुरुआत के पांच मिनट बाद ही नीदरलैंड को सफलता मिल गई। 50वें मिनट में रयान ग्रावेनबेर्ख की फ्री-किक पर कप्तान वर्जिल वैन डाइक ने शानदार हेडर लगाकर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि, जापान ने ज्यादा देर इंतजार नहीं किया। 57वें मिनट में ताकेफुसा कुबो ने बॉक्स के अंदर बेहतरीन मूव बनाया और गेंद केइतो नाकामुरा को थमाई। नाकामुरा ने मौके का फायदा उठाते हुए गेंद को नेट में पहुंचाकर स्कोर 1-1 कर दिया।

समरविल ने फिर दिलाई बढ़त

जापान के बराबरी करने के सात मिनट बाद ही नीदरलैंड ने फिर बढ़त हासिल कर ली। 64वें मिनट में रयान ग्रावेनबेर्ख ने अपना दूसरा असिस्ट दर्ज कराया। उनके पास पर क्रिसेंसियो समरविल ने बॉक्स के बाहर से शानदार कर्लिंग शॉट लगाया, जो सीधे गोलपोस्ट में जा समाया। इस गोल के साथ नीदरलैंड 2-1 से आगे हो गया।

महिला टी-20 वर्ल्ड कप: वेस्टइंडीज ने मौजूदा चैम्पियन न्यूजीलैंड को हराकर मचाई सनसनी

टीम को जीत दिलाने के बाद फूट-फूटकर रोने लगी कैम्पबेल

साउथम्प्टन,, एजेंसी

आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 में वेस्टइंडीज ने मौजूदा चैम्पियन न्यूजीलैंड को हराकर सनसनी मचा दी। विकेटकीपर बल्लेबाज शेमेन कैम्पबेल की 90 रनों की तूफानी पारी की बदौलत कैरेबियाई टीम ने 163 रनों के लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा करते हुए सात विकेट से रोमांचक जीत दर्ज की। साउथम्प्टन में खेले गए इस मुकाबले में वेस्टइंडीज ने एक गेंद बाकी रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। यह महिला टी20 विश्व कप के इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा सफल रन चेज भी रहा। जीत के बाद मैदान पर भावुक दृश्य देखने को मिले। कैम्पबेल की आंखों से आंसू निकल पड़े और साथी खिलाड़ियों ने उन्हें गले लगाकर इस यादगार पारी का जश्न मनाया।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम ने 20 ओवर में 162 रन बनाए। टीम को तेज शुरुआत इसाबेला गेज (39 रन) ने दिलाई, जिन्होंने पावरप्ले में आक्रामक बल्लेबाजी की। हालांकि, वेस्टइंडीज की तेज गेंदबाज आलिया एलीन ने शानदार गेंदबाजी करते हुए मैच का रुख बदल दिया। उन्होंने कप्तान एमेलिया केर और गेज समेत चार खिलाड़ियों को चलता किया और न्यूजीलैंड को बड़े स्कोर तक पहुंचने से रोका। सोफी डिवाइन (22 रन) और ब्रूक हॉलिडे (40 रन) ने पारी को संभालने की कोशिश की, जबकि मैडी ग्रीन ने अंत में नाबाद 35 रन बनाकर टीम को 162 रनो तक पहुंचाया। 163 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही। दूसरे ही ओवर में कियाना जोसेफ रन आउट हो गईं। इसके बाद कप्तान हेली मैथ्यूज और शेमेन कैम्पबेल ने पारी को संभाला।

एक छोर पर डंटी रही कैंपबेल

हेली मैथ्यूज 48 रन बनाकर आउट हुईं, लेकिन शेमेन कैम्पबेल एक छोर पर डटी रहीं। कैम्पबेल ने पहले अपना पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक पूरा किया और आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी जारी रखी। उन्होंने 62 गेंदों पर नाबाद 90 रन बनाए, जिसमें 7 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। मैच आखिरी ओवर तक पहुंच गया, जहां वेस्टइंडीज को जीत के लिए चार रन चाहिए थे। युवा खिलाड़ी जहजारा क्लैक्सटन ने शेमेन कैम्पबेल का शानदार साथ निभाया।

वीएआर विवाद पर फीफा की सफाई, बताया तकनीकी खराबी के कारण नहीं दिखा सके एनिमेशन ग्राफिक

सांता क्लारा,, एजेंसी

फीफा वर्ल्ड कप 2026 में स्विट्जरलैंड और कतर के बीच खेले गए मुकाबले के दौरान वीएआर (वीडियो असिस्टेंट रेफरी) से जुड़ा विवाद चर्चा का विषय बन गया। इस विवाद को लेकर फीफा ने आधिकारिक बयान जारी कर स्पष्ट किया कि एक छोटी तकनीकी गड़बड़ी के कारण टीवी प्रसारण में ऑफसाइड से जुड़ा 3डी एनिमेशन नहीं दिखाया जा सका, लेकिन इससे वीएआर की प्रक्रिया या रेफरी के फैसले पर कोई असर नहीं पड़ा।

यह घटना मैच के 14वें मिनट में हुई, जब कतर के गोलकीपर महमूद अबुनाडा ने स्विट्जरलैंड के खिलाड़ी रेमो फ्यूलर पर फाउल किया, तो स्विट्जरलैंड को पेनल्टी किक मिली। हालांकि, वीडियो रिप्ले में ऐसा लग रहा था कि फाउल से पहले फ्यूलर ऑफसाइड हो सकते हैं, लेकिन वीडियो असिस्टेंट रेफरी (वीएआर) ने प्ले चेक किया और अपने फैसले में पेनल्टी को सही करार दिया।

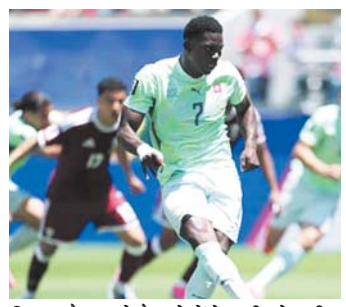

हालांकि, रिप्ले देखने के बाद कई दर्शकों और विशेषज्ञों को लगा कि फाउल होने से पहले फ्यूलर ऑफसाइड स्थिति में हो सकते थे। आमतौर पर ऐसे मामलों में वीएआर जांच के बाद टीवी पर सेमी-ऑटोमेटेड ऑफसाइड तकनीक का 3डी एनिमेशन दिखाया जाता है, जिससे दर्शकों को फैसला समझने में आसानी होती है। मगर इस बार वह ग्राफिक स्क्रीन पर दिखाई नहीं दिया।

फुटबॉल विशेषज्ञों ने भी की फीफा की आलोचना

यही कारण था कि सोशल मीडिया पर सवाल उठने लगे और कई फुटबॉल विशेषज्ञों ने भी फीफा की आलोचना की। इंग्लैंड के पूर्व फुटबॉलर और प्रसिद्ध टीवी विश्लेषक गैरी नेविल ने भी इस मामले पर नाराजगी जताई। उनका कहना था कि विवादित फैसले से जुड़ा दृश्य सार्वजनिक रूप से दिखाया जाना चाहिए था ताकि पारदर्शिता बनी रहे। बढ़ते विवाद के बीच फीफा ने सफाई देते हुए कहा, 14वें मिनट में स्विट्जरलैंड को मिली पेनल्टी से पहले एक छोटी सी तकनीकी खराबी की वजह से ऑनसाइड एनिमेशन ग्राफिक नहीं बन पाया। इस दिक्कत को जल्दी ठीक कर लिया गया। इस दिक्कत से वीएआर के कार्यप्रवाह पर कोई असर नहीं पड़ा और मैदान पर लिए गए फैसले को चेक करने के लिए नॉर्मल तरीके को फॉलो किया गया।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

महिलाओं में आमिर की पसंद लाजवाब, किरण राव के सामने बोलीं काजोल, शरमाए एक्टर

बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान की फिल्म लगान की रिलीज को पूरे 25 साल हो चुके हैं। डायरेक्टर आशुतोष गोवारिकर की इस कल्ट क्लासिक फिल्म की सिल्वर जुबली के मौके पर मुंबई में एक बेहद शानदार और भव्य इवेंट का आयोजन किया गया। इस महफिल की सबसे बड़ी लाइमलाइट काजोल और जूही चावला की जुगलबंदी रही। इन दोनों एक्ट्रेसेस ने स्टेज पर आमिर खान की मजेदार अंदाज में खिंचाई की।

इवेंट के दौरान जब काजोल और जूही चावला को स्टेज पर आकर आमिर खान के बारे में कुछ बातें शेयर करने के लिए कहा गया, तो दोनों एक्ट्रेस ने भावुक होने के बजाय माहौल को पूरी तरह मस्ती-मजाक में बदल दिया। काजोल ने माइक संभालते हुए मजाकिया लहजे में कहा, खैर, मैं आमिर के बारे में क्या कहूं? उनके बारे में एक बात तो पूरी तरह तय है कि आमिर खान प्रोडक्शंस ने यह साबित कर दिया है कि फिल्मों के मामले में उनकी चॉइस लाजवाब है, वाकई बहुत बेहतरीन। लगान से लेकर अब तक उन्होंने जो भी काम किया वह बेमिसाल है और हां, महिलाओं के मामले में भी आमिर की पसंद वाकई बहुत अच्छी है। काजोल की यह बात सुनते ही आमिर खान अपनी हंसी नहीं रोक पाए और स्टेज पर ही थोड़े शरमाते हुए नजर आए। इस दौरान स्टेज पर किरण राव भी मौजूद थीं।

जूही चावला का भी रिएक्शन

काजोल के बाद जूही चावला ने भी आमिर की टांग खींचने का कोई मौका नहीं छोड़ा। जूही ने मुस्कुराते हुए कहा, मेरे पास आमिर के लिए सिर्फ एक शब्द नहीं है, बल्कि कहने को बहुत कुछ है। अगर मैंने उनके बारे में बोलना शुरू किया, तो हमारी पूरी शाम यहीं निकल जाएगी। आमिर खान प्रोडक्शंस शुरू होने से बहुत पहले, वह सिर्फ एके थे और हमने साथ में काम करना शुरू किया था। वह उनकी पहली फिल्म थी और जरा देखिए, जिस किसी ने भी मेरे साथ अपने करियर की शुरुआत की, वह आज कहां से कहां पहुंच गया है। सोशल मीडिया यूजर्स इस तिकड़ी को देखकर पुरानी यादों में खो गए। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, काजोल आप बिल्कुल सच कह रही हैं, महिलाओं के मामले में आमिर की पसंद सचमुच कमाल की है।

मेट्रो बाजार

जून-अगस्त के दौरान अल नीनो होने की संभावना 80 प्रतिशत, महंगाई का मंडराया खतरा: रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली। एक नई रिपोर्ट के अनुसार, जून-अगस्त के दौरान अल नीनो की घटना होने की संभावना 80 प्रतिशत है और इसके कम से कम नवंबर तक इसके बने रहने की संभावना 90 प्रतिशत या उससे अधिक है। हालांकि, देश में जलाशयों का जलस्तर सामान्य भंडारण से अधिक है (11 जून तक) और सब्जियों की आवक के आंकड़े भी संतोषजनक हैं। बैंक ऑफ बड़ौदा की रिसर्च रिपोर्ट में कहा गया है, ÷आने वाले दिनों में ही पता चलेगा कि क्या सप्लाई की स्थिति ऐसी है जो खाने-पीने की चीजों और ईंधन की कीमतों में अचानक होने वाले बदलावों से महंगाई पर पड़ने वाले असर को संभाल पाएगी या नहीं।÷ अर्थशास्त्री दिपान्विता मजूमदार के अनुसार, वित्त वर्ष 2027 में सीपीआई महंगाई दर 5.2 प्रतिशत से 5.5 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है। यह अनुमान अल नीनो के कुछ असर और कच्चे तेल की औसत कीमत 90 से 100 डॉलर प्रति बैरल रहने की संभावना पर आधारित है। मई 2026 में हेडलाइन सीपीआई महंगाई दर 3.9 प्रतिशत रही, जो बीओबी रिसर्च के 4.1 प्रतिशत के अनुमान से कम थी, लेकिन अप्रैल के 3.5 प्रतिशत से ज्यादा थी। इस बढ़ोतरी की मुख्य वजह खाने-पीने की चीजों और ईंधन की कीमतों में तेजी थी; खाने-पीने की चीजों की महंगाई दर बढ़कर 4.8 प्रतिशत हो गई। हाल ही में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण ट्रांसपोर्ट से जुड़ी महंगाई दर बढ़ी, जबकि रेस्टोरेंट और रहने-ठहरने की सेवाओं की महंगाई दर में भी बढ़ोतरी हुई।

एफएसएसएआई गुमराह करने वाले फूड लेबल्स के खिलाफ सख्त, कई ब्रांड्स को जारी किए नोटिस

नई दिल्ली। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने रविवार को कहा कि उसने कई खाद्य कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की है। इन कंपनियों पर भ्रामक ब्रांडिंग और उत्पाद से जुड़े दावों के जरिए लेबलिंग नियमों का उल्लंघन का आरोप है।

इसके चलते खाद्य सुरक्षा नियामक ने कई फूड बिजनेस ऑपरेटर्स (एफबीओ) को नोटिस जारी किया है, जिसमें कहा गया है कि वे %फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट, 2006% के प्रावधानों का उल्लंघन कर रहे हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म %एक्स% पर सरकारी एजेंसी ने कहा, ÷एफएसएसएआई ने कई फूड बिजनेस ऑपरेटरों (एफबीओ) को नोटिस जारी किए हैं। ये नोटिस भ्रामक ब्रांड नामों, ट्रेड नामों और प्रोडक्ट के दावों से जुड़े एफएसएस एक्ट, 2006 के नियमों का उल्लंघन करने के कारण जारी किए गए हैं।÷

साथ ही कहा कि जिन कंपनियों को नोटिस मिले हैं, उनमें हेल्दी मास्टर, न्यूहब्र्स टू विटामिन, प्लांट बी, द हेल्थ फैक्ट्री, टूवी, हेल्दी चॉइस, इमामी का हेल्दी एंड टेस्टी और हेल्थ ऐड शामिल हैं। साथ ही, ऑर्गेनिक विजडम, शाइन ऑर्गेनिक, टू ब्रदर्स ऑर्गेनिक फार्म्स, स्टोरिया, वर्ल्ड ऑफ ऑर्गेनिक और आयोटा वॉटर को भी नोटिस भेजे गए हैं। एफएसएसएआई ने कहा है कि फूड बिजनेस ऑपरेटर्स को निर्देश दिया गया है कि वे ग्राहकों को गुमराह होने से बचाने के लिए लेबलिंग और डिस्प्ले से जुड़े तय नियमों का सख्ती से पालन करें। नियामक के मुताबिक, उपरोक्त ब्रांड जो ट्रेड नाम इस्तेमाल करते हैं, उनसे ग्राहकों के गुमराह होने की संभावना है; उन्हें लगता है कि ये नाम उनके प्रोडक्ट्स की प्रकृति या सेहत से जुड़े फायदों के बारे में गलत जानकारी देते हैं।

हसीना मान जाएगी के एक शॉट को लेकर जब डर गई थीं करिश्मा कपूर

मुंबई। साल 1999 में आई फिल्म हसीना मान जाएगी अपने दौर में जबरदस्त हिट हुई थी। फिल्म के गाने आज भी लोग बड़े चाव से सुनते हैं। हालांकि, इस फिल्म से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा अब अभिनेत्री करिश्मा कपूर ने डांस रियलिटी शो इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5 में साझा किया। उन्होंने फिल्म की शूटिंग के दिनों को याद किया और मजेदार किस्सा सुनाया। शो में बातचीत के दौरान करिश्मा कपूर ने कहा, फिल्म के कुछ ही सीन्स की शूटिंग गोवा में हुई थी। उस समय मुझे लग रहा था कि फिल्म में मेरी ज्यादा जगह नहीं है, ऐसे में मैंने निर्देशक डेविड धवन से बात की और उनसे सीधे पूछा कि फिल्म में मेरा किरदार आखिर कहां है। इस पर डेविड धवन ने मुझे धैर्य रखने के लिए कहा और भरोसा दिलाया कि आगे आने वाले दो गानों में वह हैं। बस थोड़ा इंतजार करो।

उन्होंने आगे बताया, इसके बाद फिल्म का गाना व्हाट इज मोबाइल नंबर की शूटिंग हुई। यह गाना एक दिन में शूट हो गया था। यही सिनेमा का जादू है। कई बार जिस काम को बहुत जल्दी पूरा किया जाता है, वही आगे चलकर लोगों के बीच सबसे ज्यादा लोकप्रिय हो जाता है। इस गाने को लोगों ने खूब पसंद किया।बातचीत के दौरान करिश्मा ने एक और दिलचस्प खुलासा किया। उन्होंने बताया, फिल्म की कहानी गोवा में दिखाई गई थी, लेकिन जिस गाने को लोग गोवा का हिस्सा समझते हैं, उसकी शूटिंग वास्तव में मुंबई के मड आइलैंड स्थित एक रिजॉर्ट में हुई थी। पर्दे पर सब कुछ इतना वास्तविक दिखाया गया कि दर्शकों को कभी एहसास ही नहीं हुआ कि यह जगह गोवा नहीं है। उन्होंने आगे बताया, गाने की रिकॉर्डिंग और फिल्मांकन के समय मेरी नजर एक ऐसे शॉट पर गई जो गलत था।

भागती हुई पहुंची थी डेविड धवन के पास

हादसे का इंतजार : जर्जर हुआ कारम नदी पर 100 वर्ष पुराना पुल

गुजरी (धार)। गुजरी-धामनोद मार्ग पर कारम नदी के ऊपर बने पुल के नीचे तेज जलप्रवाह के कारण पिलरों के पास लगातार कटाव हो रहा है। कटाव के चलते पिलर के समीप लगभग 20 फीट गहरा गड्ढा गड्ढा बन गया है। यदि समय रहते इस ओर ध्यान नहीं दिया गया तो किसी दिन बड़ा हादसा हो सकता है। कटाव रोकने के लिए तत्काल प्रभावी उपाय किए जाने की आवश्यकता है। यह पुलिया 100 वर्ष से भी अधिक पुरानी बताई जाती है और इसका निर्माण अंग्रेजों के शासनकाल में हुआ था। वर्तमान स्थिति को देखते हुए इसका नवीनीकरण अत्यंत आवश्यक हो गया है। आगामी दिनों में मानसून शुरू होने वाला है, जिससे नदी में जलस्तर बढ़ने के साथ कटाव और तेज हो सकता है। यह स्थिति स्थानीय लोगों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। इस पुल से प्रतिदिन हजारों वाहन गुजरते हैं। गौरतलब है कि गुजरी-धामनोद के पुराने एबी रोड पर कारम नदी स्थित यह पुल नगरवासियों के लिए चिंता का कारण बन गया है। धार और समीपवर्ती खरगोन जिले के अनेक गांवों तक पहुंचने के लिए लोगों को इसी पुलिया का उपयोग करना पड़ता है।

सिद्धनाथ मंदिर से दर्शन कर लौट रहे थे श्रद्धालु

महाराष्ट्र के सोलापुर में श्रद्धालुओं की गाड़ी कुएं में गिरी, 8 लोगों की मौत

मुंबई, एजेंसी

महाराष्ट्र में एक जिला है सोलापुर, उसी के पंढरपुर इलाके में यह दर्दनाक घटना हुई। पंढरपुर तहसील के रांजनी गांव के कुछ लोग मिलकर म्हसवड गए थे। वहां सिद्धनाथ भगवान का एक मंदिर है। ये सभी लोग वहां दर्शन करने गए थे। दर्शन के बाद जब ये सभी श्रद्धालु अपनी पिकअप गाड़ी में बैठकर वापस अपने गांव रांजनी लौट रहे थे, तभी रास्ते में एक बड़ा हादसा हो गया। पंढरपुर से म्हसवड जाने वाली सड़क पर माळशिरस तहसील में एक गांव पड़ता है, तांदुलवाड़ी। इसी गांव के पास सड़क किनारे एक कुआं है। जब श्रद्धालुओं की गाड़ी वहां से गुजर रही थी, तभी अचानक गाड़ी का संतुलन बिगड़ गया और वह सीधे उस कुएं में जा गिरी। गाड़ी में सभी लोग एक ही गांव के थे, सब एक-दूसरे को जानते थे। जब यह खबर उनके गांव रांजनी पहुंची तो वहां कोहराम मच गया। लोग रोने लगे, घरों में मातम छा गया।

हादसे की खबर मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और राहत काम शुरू किया। पुलिस और बचाव दल भी जल्दी पहुंचे। घायल लोगों को अस्पताल ले जाया गया। इस हादसे में कुल 8 लोगों की मौत हो गई। 7 लोग घायल हुए जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। पंढरपुर के इलाके में हाल के दिनों में यह सबसे दर्दनाक हादसों में से एक माना जा रहा है। जो लोग भगवान के दर्शन करके खुशी-खुशी घर लौट रहे थे, वे घर नहीं पहुंच सके।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र के सोलापुर ग्रामीण इलाके में हुए दुखद हादसे पर गहरा शोक जताया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस हादसे में लोगों की मौत की खबर बेहद दुखद है। उन्होंने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। मृतकों के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी। इसके अलावा हादसे में घायल हुए लोगों को 50 हजार रुपए की सहायता राशि दी जाएगी।

न्यूज विंडो

राज्यसभा चुनाव के बीच बीजेपी विधायक प्रकाश राम की तबीयत बिगड़ी, भर्ती

रांची। झारखंड में राज्यसभा की दो सीटों को लेकर सियासी सरगर्मी बढ़ी हुई है। खास तौर पर कांग्रेस उम्मीदवार प्रणव झा और बीजेपी समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नाथवानी दूसरी सीट को अपने लिए सुरक्षित करने की कोशिश में लगे हुए है। कांग्रेस और बीजेपी समर्थित प्रत्याशी परिमल नाथवानी की ओर से एक-एक विधायक से व्यक्तिगत तौर पर या संपर्क सूत्र के माध्यम से साधने की कोशिश कर रहे है। इसी बीच रविवार एक सूचना मिली कि बीजेपी के विधायक प्रकाश राम की तबीयत बिगड़ गई है। इस खबर से एनडीए को झटका लगने की आशंका जताई जा रही है।

सट्टा रैकेट के आरोपी शहबाज को सुप्रीम कोर्ट से मिली जमानत

बिलासपुर। रायगढ़ में आनलाइन क्रिकेट सट्टा रैकेट संचालित करने के आरोपित शेख मोहम्मद शहबाज को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल गई है। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट से जमानत याचिका खारिज होने के बाद शहबाज ने विशेष अनुमति याचिका दायर की थी। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा और जस्टिस संजीव सचदेवा की अवकाशकालीन खंडपीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए उसे अंतरिम जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया है। साथ ही, शीर्ष अदालत ने छत्तीसगढ़ शासन को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

नोएडा के जेवर एयरपोर्ट से उड़ा पहला जहाज

लखनऊ से आई फ्लाइट का बौछारों से स्वागत, 170 किसानों ने की यात्रा

नई दिल्ली/ग्रेटर नोएडा, एजेंसी

यूपी के नोएडा में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर फ्लाइट का संचालन शुरू हो गया है। आज यहां पहली फ्लाइट लैंड किया और इसके बाद सुबह 8:30 बजे एयरपोर्ट से पहली उड़ान शुरू हुई। नोएडा एयरपोर्ट पर लखनऊ से पहली फ्लाइट पहुंची। इस दौरान यात्री खुश दिखाई दिए। यात्रियों को वाटर केनन से सेल्यूट दिया गया।

इस खास दिन पर अभिनेत्री गुलपनाग भी लखनऊ से यात्रा करके नोएडा पहुचीं। एयरपोर्ट पर यात्रियों का गुलाब देकर जोरदार स्वागत किया गया। सोमवार को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से लखनऊ के लिए पहली कमर्शियल फ्लाइट ने उड़ान भरी, जिससे इस नए एयरपोर्ट से तय शेड्यूल के अनुसार कमर्शियल फ्लाइट ऑपरेशन शुरू हो गए। इस फ्लाइट में जेवर इलाके के किसानों का एक खास दल गया, जिन्होंने एयरपोर्ट बनाने के लिए अपनी ज़मीन दी थी। इन किसानों की लखनऊ में आयोजित एक कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात होनी है। इस दल की अगुवाई जेवर के विधायक धीरेंद्र सिंह कर रहे हैं। इससे पहले, केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने उन किसानों और उनके परिवार के सदस्यों से बातचीत की जो नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से पहली कमर्शियल फ्लाइट में शामिल हुए। उन्होंने एयरपोर्ट के विकास और इस इलाके के एक बड़े एविएशन हब में बदलने में उनके योगदान की तारीफ की।

आगे की योजना...

- आज पहले दिन एयरपोर्ट ने लखनऊ और बेंगलुरु जैसे प्रमुख शहरों के लिए उड़ानें संचालित की।
- 16 जून से अकासा एयर भी यहां से अपनी दैनिक सेवाएं शुरू कर देगी और 1 जुलाई से उड़ानों का दायरा बढ़ाकर 17 शहरों तक कर दिया जाएगा।
- एयरपोर्ट से पहली घरेलू मालवाहक उड़ान 17 जून को उड़ान भरेगी।
- इस नए एयरपोर्ट के चालू होने से दिल्ली एयरपोर्ट पर यात्रियों का दबाव कम होगा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लोगों को सीधे कनेक्टिविटी मिलेगी।

विधायक, किसानों को लेकर लखनऊ से नोएडा पहुंची फ्लाइट

जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह 170 किसानों को लेकर लखनऊ के लिए रवाना हुए हैं। पहली उड़ान में एयरपोर्ट के लिए जमीन देने वाले 170 किसान और कामगार शामिल हैं। शुरुआती शेड्यूल के मुताबिक, सुबह ठीक 8:05 बजे लखनऊ से जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ अधिकारियों और गौतमबुद्ध नगर के नामचीन कारोबारियों को लेकर पहला विमान नोएडा एयरपोर्ट के रनवे पर लैंड हुआ, लेकिन इस पूरे जश्न की सबसे खूबसूरत तस्वीर सुबह 8:30 बजे दिखने को मिली। जब इस भव्य एयरपोर्ट को बनाने के लिए अपनी जमीन देने वाले 170 किसान और कामगार इस एयरपोर्ट की पहली ऐतिहासिक उड़ान के गवाह और यात्री बनें. जेवर के विधायक धीरेंद्र सिंह के साथ ये सभी किसान इस पहली फ्लाइट से लखनऊ जा रहे है, जहां वे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात करेंगे और फिर शाम की फ्लाइट से वापस नोएडा लौट आएंगे।

सुदीप बंदोपाध्याय ने दिए बड़े संकेत

ममता के साथ जुलाई में खेला करेंगे बागी टीएमसी सांसद

कोलकाता, एजेंसी

तृणमूल के बागी सांसदों का 'नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी' में 'विलय' करने का प्लान सिर्फ एक अस्थायी उपाय है। उनका मकसद पार्टी के नाम और चुनाव चिह्न पर कब्जा करना है, ठीक वैसे ही जैसे शिवसेना या नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी के मामले में हुआ था। पार्टी प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के कभी करीबी रहे सुदीप बंदोपाध्याय ने आज यह बात साफ की। यह बताते हुए कि इस गुट के पास पार्टी के 28 में से दो-तिहाई सांसद हैं, उन्होंने कहा कि ऐसी स्थितियों में यही तरीका अपनाया जाता है।

उन्होंने कहा कि हालांकि दलबदल विरोधी कानून के तहत कार्रवाई से बचने के लिए संख्या बल की ज़रूरत होती है, लेकिन इसके आधार पर तुरंत पार्टी का नाम नहीं मांगा जा सकता। सुदीप बंदोपाध्याय ने कहा कि जब आप पार्टी के दो-तिहाई सदस्यों के साथ अलग होते हैं, तो आप पहले ही दिन उस पार्टी का नाम नहीं मांग सकते... जुलाई में हम तृणमूल (नाम) हमें सौंपने की मांग करेंगे क्योंकि हमारे पास तृणमूल का दो-तिहाई बहुमत है। फिर अदालत इस पर फैसला करेगी।

मूंछ मुंडवाकर केरल में छिपा था टीएमसी नेता स्वपन, गिरफ्तार

तिरुवनंतपुरम। प. बंगाल में करोड़ों रुपए के सोलर ऊर्जा परियोजना घोटाले की जांच के बीच पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। आरामबाग नगर पालिका के पूर्व चेयरमैन और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता स्वपन नंदी को केरल से गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तारी से बचने के लिए नंदी ने अपनी पहचान बदल ली थी और मूंछ तक मुंडवा दी थी। इसके बावजूद पुलिस ने उन्हें लगभग 2300 किलोमीटर दूर केरल में खोज निकाला। अधिकारियों का मानना है कि इस गिरफ्तारी से कथित 'ग्रीन सिटी प्रोजेक्ट' में हुए वित्तीय और प्रशासनिक अनियमितताओं की परतें खुल सकती हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, स्वपन नंदी उस समय से फरार चल रहे थे जब 'ग्रीन सिटी प्रोजेक्ट' घोटाले की जांच तेज हुई थी।

ज्ञान बिंदु कोचिंग के संचालक रोशन आनंद को मिली कोर्ट से राहत

पटना। जिला सिविल कोर्ट से ज्ञान बिंदु कोचिंग इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर रोशन आनंद के लिए राहत की बड़ी खबर है। खान इंस्टीट्यूट पर हुए हमले के मामले में गिरफ्तार होकर जेल गए रोशन आनंद को अदालत ने जमानत दे दी है। इस मामले को लेकर आज पटना सिविल कोर्ट में सुनवाई हुई। अदालत के समक्ष दोनों पक्षों के वकीलों ने अपनी-अपनी दलीलें पेश कीं। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने रोशन आनंद की जमानत याचिका स्वीकार करते हुए उन्हें बेल दे दी। चर्चित शिक्षक फैजल खान उर्फ सर के कोचिंग संस्थान के बाहर हुए विवाद और कथित फायरिंग मामले में रौशन आनंद को आरोपी बनाया गया था।

राम मंदिर : चंदे मामले की जांच के लिए पीएमओ से पहुंची अफसरों की टीम, आज पहुंचेगी एसआईटी

लखनऊ, एजेंसी

राम मंदिर के चढ़ावे में गबन के मामले के तूल पकड़ने के बाद केंद्र भी सक्रिय हो गया है। रविवार को पीएमओ की तरफ से अफसरों की टीम का मंदिर पहुंचने की चर्चा है। अफसर अपने स्तर से जांच पड़ताल के बाद जानकारी जुटाकर पीएमओ को देंगे। हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है। वहीं, मामले की जांच के लिए गठित तीन सदस्यीय एसआईटी (विशेष जांच दल) सोमवार को अयोध्या पहुंचेगी। टीम ट्रस्ट के पदाधिकारियों से जानकारी लेने के साथ

मंदिर के कर्मचारियों और चिह्नित संदिग्धों से पूछताछ करेगी। ट्रस्ट की ओर से की गई अब तक की जांच का पूरा ब्योरा भी जुटाएगी। इस बीच एक सप्ताह पहले उजागर हुए इस मामले में गबन के साक्ष्य मिलने के बाद भी अब तक एफआईआर दर्ज नहीं कराई गई है। मंदिर की दान राशि में हेरफेर का मामला बीते सप्ताह उजागर हुआ था। ट्रस्ट के पदाधिकारी तब से खुद ही गोपनीय जांच में जुटे हैं। ट्रस्ट के ऑफिस के पास किसी भी बाहरी शख्स के जाने पर रोक है। इन सबके बीच शनिवार को श्रीराम मंदिर ट्रस्ट के अनुरोध के बाद मुख्यमंत्री के निर्देश पर शासन ने तीन सदस्यीय एसआईटी का गठन किया था। इसमें लखनऊ के मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत, आईजी रेंज लखनऊ किरन एस और विशेष सचिव वित्त नील रतन शामिल हैं।

प्रशासन की कार्रवाई

देहरादून में भाजपा नेता की हत्या आरोपियों के घर पर चला बुलडोजर

नई दिल्ली, एजेंसी

उत्तराखंड के सहसपुर कोतवाली के बैरागीवाला गांव में भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिला सोशल मीडिया सह संयोजक विनोद की हत्या के बाद प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपियों के मकानों को चिह्नित किया और उन पर बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया। फिलहाल गांव में तनावपूर्ण शांति है और भारी पुलिस बल उपद्रवियों पर नजर रखे हुए है।

बात दें कि बैरागीवाला गांव में पानी के विवाद को लेकर हुए खूनी संघर्ष में विनोद कुमार की हथौड़े से वार कर बेरहमी से हत्या कर दी गई। शनिवार शाम करीब छह से साढ़े छह बजे के बीच हुए इस हमले में विनोद के भाई अशोक, राजेश और

भाभी सुषमा भी गंभीर रूप से घायल हो गए। इस घटना के बाद पूरे इलाके में सांप्रदायिक तनाव फैल गया है। मृतक के भाई अशोक कुमार द्वारा दर्ज कराई गई तहरीर के अनुसार, पड़ोस के खेत मालिक इम्तियाज के साथ उनका पानी को लेकर पुराना विवाद चल रहा था।

मेट्रो एंकर

कलेक्टर की पहल, श्रद्धालुओं को अब 4-4 घंटे लाइन में लगने की जरूरत नहीं

ओंकारेश्वर मंदिर : ब्लड डोनेट करके वीआईपी दर्शन का लें लाभ

खंडवा, दोपहर मेट्रो

मप्र के ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर में इन दिनों आस्था का एक ऐसा रूप देखने को मिल रहा है, जिसने स्वास्थ्य व्यवस्था की तस्वीर बदल दी है। खंडवा जिला प्रशासन की एक अनोखी पहल के कारण मंदिर में दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालु भारी संख्या में रक्तदान कर रहे हैं। इस मुहिम के तहत 20 मिनट का रक्तदान करने वाले श्रद्धालुओं को मंदिर में 3 से 4 घंटे लंबी सामान्य कतारों से मुक्ति मिल रही है और उन्हें सीधे वीआईपी एंट्री दी जा रही है।

कलेक्टर ऋषभ गुप्ता के नेतृत्व में शुरू की गई इस योजना को 'अधिक

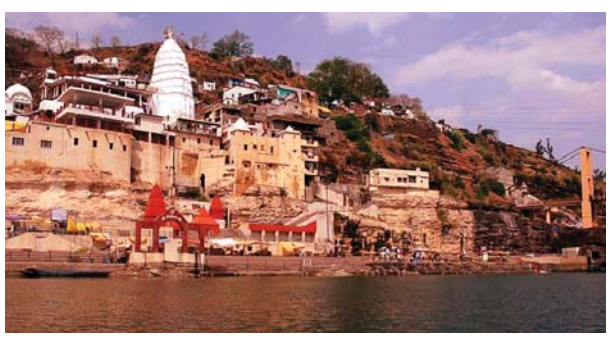

मास' के पवित्र महीने में जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। ब्लड बैंक के प्रभारी डॉ. अतुल माने के अनुसार, इस हिंदू चंद्र महीने में दान-पुण्य का विशेष महत्व होने के कारण जून के शुरुआती 14 दिनों में ही डोनेशन का आंकड़ा सामान्य मासिक औसत को पार कर गया है। आंकड़ों के मुताबिक, फरवरी में शुरुआत के समय जहां केवल 168 यूनिट ब्लड मिला था, वहीं 14 जून तक रिकॉर्ड 497 यूनिट ब्लड इकट्ठा हो चुका है।

ब्लड ग्रुप का बना बड़ा रिजर्व

इस भारी रिस्पॉन्स का सबसे बड़ा फायदा यह हुआ है कि स्थानीय स्तर पर होने वाली खून की किल्लत पूरी तरह खत्म हो गई है। ब्लड बैंक में अब एबी-नेगेटिव, ओ-नेगेटिव, ए-नेगेटिव और बी-नेगेटिव जैसे बेहद दुर्लभ ब्लड ग्रुप्स का भी पर्याप्त बफर स्टॉक तैयार हो गया है। नया मेडिकल कॉलेज खुलने के बाद से इलाके में खून की मांग बढ़कर 1,200 यूनिट प्रति माह हो गई थी, जिसे पहले पूरा करना मुश्किल होता था। अब यह मॉडल न सिर्फ मांग पूरी कर रहा है, बल्कि सरप्लस स्टॉक भी बना रहा है।

श्रद्धालुओं को मिलती है सुविधा

मंदिर परिसर के पास ही 5 बेड की एक अत्याधुनिक ब्लड कलेक्शन फैसिलिटी बनाई गई है। 18 से 60 वर्ष के स्वस्थ श्रद्धालु, जिनका वजन कम से कम 45 किलोग्राम हो, यहां रक्तदान कर सकते हैं। डोनेशन के तुरंत बाद उन्हें रिफ्रेशमेंट, एक प्रमाण पत्र, बाबा का प्रसाद और भगवान ओंकारेश्वर की एक सुंदर तस्वीर दी जाती है। इस प्रमाण पत्र के जरिए डोनर और उसके परिवार को तत्काल वीआईपी प्रवेश मिलता है, जिससे बुजुर्गों और बच्चों को कतार में परेशान नहीं होना पड़ता।

जेलेंस्की को दिया सर्वोच्च नागरिक सम्मान वापस ले सकता है पोलैंड

नई दिल्ली, एजेंसी

पोलैंड के राष्ट्रपति कारोल नावरोत्स्की ने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से यूक्रेनियम इंसर्जेंट आर्मी (यूपीए) के सम्मान को वापस लेने की मांग की है। पोलैंड का आरोप है कि द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान यूपीए ने हजारों पोलिश नागरिकों की हत्या की थी। वारसॉ ने संकेत दिया है कि जवाब नहीं मिलने पर जेलेंस्की को मिला सर्वोच्च पोलिश सम्मान भी वापस लिया जा सकता है। विवाद तब शुरू हुआ जब जेलेंस्की ने एक विशेष कमांडो यूनिट का नाम 'यूपीए के नायकों' के नाम पर रखा। यूपीए, ऑर्गेनाइजेशन ऑफ यूक्रेनियन

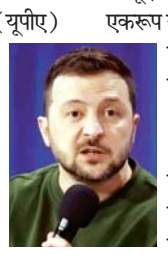

नेशनलिस्ट्स (ओयूएन) की सैन्य शाखा थी। पोलैंड का कहना है कि ओयूएन और यूपीए ने जातीय रूप से एकरूप यूक्रेनी राष्ट्र की विचारधारा को बढ़ावा दिया और पोलिश नागरिकों के खिलाफ हिंसक अभियान चलाए। पोलिश अधिकारियों के अनुसार, यूपीए ने वर्तमान पश्चिमी यूक्रेन क्षेत्र में करीब एक लाख पोलिश नागरिकों की हत्या की थी। पोलैंड इन घटनाओं को जनसंहार के रूप में मान्यता देता है। रिपोर्टों के मुताबिक, राष्ट्रपति नावरोत्स्की ने जेलेंस्की को 2023 में दिया गया 'ऑर्डर ऑफ द व्हाइट ईगल' वापस लेने की पहल का समर्थन किया है। यह पोलैंड का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक राजेश सिरोठिया द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) फोन : 0755-7963564